सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईपीएलः श्रेयस-रजत से जुड़ा अजब संजोग -पेजः 7

दिशा पाटनी की हॉलीवुड में एंट्री -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 55 | मंगलवार- 3 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली विधानसभा 100 दिन पूरे होने पर छह जून को रिपोर्ट जारी होगीः विजेंद्र गुप्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि

विधानसभा के 100 दिन पूरे होने पर छह जून को एक रिपोर्ट जारी की जाएगी। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रक्रिया नियमों में संशोधन करने और उन्हें संसद के अनुरूप बनाने की योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा, ''एक मसौदा तैयार है और नियम समिति की पहली बैठक पांच जून को होगी। हम अपने नियमों को लोकसभा और राज्यसभा के अनुरूप बनाएंगे।'' गुप्ता ने कहा कि प्रक्रिया नियमों में लिंग तटस्थ भाषा होगी। उन्होंने कहा, ''हम भाषा को आसान बनाने के लिए काम करेंगे। हमने दो नयी समितियों का भी गठन किया है - वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण की समिति और ट्रांसजेंडरों के कल्याण की समिति, जिनके नियम भी तैयार किए जा रहे हैं।''

सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्रिस्तान, बुलडोजर चलाया गया

संभल (उप्र) (एजेंसी) जिले के आलम सराय गांव में सोमवार को सरकारी जमीन पर कब्जा

करके बनाए गए कब्रिस्तान पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया। संभल के तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि तहसील क्षेत्र के आलम सराय गांव में सरकारी जमीन पर कब्रिस्तान बनाकर कब्जा कर लिया गया था। उप जिलाधिकारी कार्यालय में इसकी शिकायत करने के बाद मामले की सुनवाई हुई जिसमें पाया गया कि वह जमीन सरकारी है और इस पर करीब 15 साल पहले अवैध रूप से कब्रिस्तान बनाया गया था।

दिल्ली बार काउंसिल ने 'इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की तत्काल रिहाई की मांग की

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली बार काउंसिल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में कथित टिप्पणियों के लिए कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई 'इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की तत्काल रिहाई की सोमवार को मांग की। कोलकाता

निवासी एवं पुणे के विधि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली शर्मिष्ठा को 30 मई देर रात हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने इन्फ्लूएंसर को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। काउंसिल के चेयरमैन सूर्य प्रकाश खत्री की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''दिल्ली बार काउंसिल सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने को लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा 22 वर्षीय विधि छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करती है। कुछ लोगों के आहत होने के बाद शर्मिष्ठा ने तुरंत वीडियो को डिलीट कर दिया था।

पेशेवर संस्थानों में हो रही आरएसएस की 'घुसपैठ': कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस ने भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) से जुड़ी कथित 'अनियमितताओं' का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि पेशेवर संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की व्यवस्थित 'घुसपैठ' हो रही है और इन्हें बर्बाद किया जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का उल्लेख किया और

आरोप लगाया कि ''घोटाले'' के केंद्र में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना (एबीआईएसवाई) नामक आरएसएस संगठन है।

मुख्य विपक्षी दल के आरोपों पर फिलहाल आईसीएचआर और एबीआईएसवाई की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मई, 2014 के बाद से पेशेवर संस्थानों में आरएसएस की व्यवस्थित घुसपैठ हुई है और ऐसा एक उदाहरण भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''अब इन कार्यकर्ताओं पर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) जैसी किसी संस्था द्वारा वित्तीय कदाचार का आरोप लगाया गया है। यह 14 करोड़ रुपये का घोटाला है, जो आईसीएचआर के लिए एक बड़ी रकम है।''

मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि ''घोटाले'' के केंद्र में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना (एबीआईएसवाई) नामक आरएसएस संगठन है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई टली, एक जुलाई को होगी जिरह

सुलतानपुर (उप्र) (एजेंसी) लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सुलतानपुर की विशेष एमपी-एमएलए

अदालत में विचाराधीन मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को एक अधिवक्ता के निधन पर वकीलों के कार्य से अनुपस्थित रहने की वजह से टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने यहां बताया कि अधिवक्ता कमल श्रीवास्तव का निधन होने पर बार एसोसिएशन के शोक प्रस्ताव के कारण वकीलों ने आज न्यायिक कार्य नहीं किया। इसकी वजह से मानहानि मामले की सुनवाई नहीं हो सकी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद

मंत्रिपरिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जो पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह बैठक ऐसे समय में आयोजित की जा रही है, जब प्रधानमंत्री मोदी नीत केंद्र सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे करने जा रही है।

मंत्रिपरिषद की बैठक हर तीन महीने में होती है, जिसमें शीर्ष नौकरशाहों की मौजूदगी में प्रमुख सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की जाती है।

इस बैठक को इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सशस्त्र बलों की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष छिड़ गया था।

भारत और पराग्वे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैंः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और पराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं और दोनों के पास साइबर अपराध तथा मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपार संभावनाएं हैं। मोदी ने पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासियोस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यह टिप्पणी की।

पालासियोस समग्र सहयोग बढ़ाने के तरीकों की खोज के लिए भारत की तीन-दिवसीय यात्रा पर आज सुबह दिल्ली पहुंचे।

यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जबकि दक्षिण अमेरिकी देश के किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है।

लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत के लिए पराग्वे एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की कई भारतीय कंपनियां पराग्वे में मौजूद हैं।

मोदी ने कहा, ''हम डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, रेलवे, अंतरिक्ष और समग्र आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नये अवसर देखते हैं।''

प्रधानमंत्री ने दक्षिण अमेरिकी व्यापार समूह मर्कोसुर के साथ भारत की तरजीही व्यापार व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''हम इसे और आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।''

जेईई-एडवांस्ड : रजित गुप्ता ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में किया टॉप, देवदत्ता माझी बनीं महिला टॉपर

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली जोन के रजित गुप्ता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में शीर्ष रैंक हासिल किया है। इस इम्तिहान के परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-एडवांस्ड के लिए इस बार आयोजन करने वाले संस्थान आईआईटी कानपुर के अधिकारियों के अनुसार 18 मई को आयोजित जेईई (एडवांस्ड) में पेपर एक और दो दोनों में कुल 1,80,422 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, ''परीक्षा में 54,378 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। कुल उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में से 9404 छात्राएं हैं। कोटा निवासी रजित गुप्ता ने 360 में से 332 अंक प्राप्त कर कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। आईआईटी खड़गपुर जोन की देवदत्ता माझी शीर्ष रैंक हासिल करने वाली महिला अभ्यर्थी हैं। उन्होंने 360 में से 312 अंक तथा सीआरएल में 16वां स्थान प्राप्त किया। जेईई-मेन देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए ली जाने वाली परीक्षा है और यह जेईई-एडवांस्ड के लिए पात्रता परीक्षा है। कुल 116 विदेशी अभ्यर्थी भी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 13 उत्तीर्ण हुए। शीर्ष 100 अभ्यर्थी में से 31-31 मुंबई और दिल्ली जोन से हैं जबकि 23 आईआईटी हैदराबाद जोन से हैं। कानपुर जोन से शीर्ष 100 में चार अभ्यर्थी, खड़गपुर से पांच और रुड़की से छह अभ्यर्थी हैं।

दिल्ली: फीस वृद्धि के खिलाफ विधेयक का मसौदा तैयार करने को 'आप' ने सार्वजनिक परामर्श पहल शुरू की

नयी दिल्ली (एजेंसी) आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को एक सार्वजनिक परामर्श पहल शुरू की, जिसके तहत दिल्ली के स्कूलों में फीस वृद्धि पर लगाम लगाने से जुड़े विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए अभिभावकों और कार्यकर्ताओं से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

निजी स्कूलों की ओर से फीस में मनमानी वृद्धि को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला तेज करते हुए दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने एक समर्पित ई-मेल आईडी (fee.consultation.aap@gmail.com) शुरू करने की घोषणा की, जिस पर लोग अपने सुझाव साझा कर सकते हैं।

आतिशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''फीस वृद्धि रोकने से जुड़े विधेयक के सिलसिले में सुझाव देने या 'आप' विधायक दल से मिलने का इच्छुक कोई भी अभिभावक या कार्यकर्ता इस ई-मेल आईडी के जरिये संपर्क कर सकता है।'' आतिशी ने कहा कि यह कदम निजी स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर लगातार की जा रही शिकायतों पर कार्रवाई करने में भाजपा सरकार की "विफलता" के जवाब में उठाया गया है।

भारतीय मूल की रेस्तरां मालिक अस्मा खान रिकार्ड सेट करने वाले गाने से जुड़ी 195 महिलाओं में हैं एक

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारत मूल की ब्रिटिश रेस्तरां मालिक अस्मा खान 195 देशों की उन महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने '195' गीत में काम किया है। इस गीत में सबसे अधिक देशों की महिलाओं ने अपनी आवाज दी है और यह 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो गया है। यह गीत लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ध्वनि उपचार

माध्यम से लोगों के उत्थान के लिए एक वैश्विक आंदोलन की अलख जगाने के लिए तैयार किया गया है। अमेरिकी आवृत्तियों की परिवर्तनकारी शक्ति के ग्रैमी-नामांकित और 'मल्टी-प्लैटिनम' संगीत निर्माता मेजोर, मार्टिना फुच्स, किंग्सले एम, ब्रैंडन ली एवं आरोन डावसन द्वारा स्थापित 'फ्रीक्वेंसी स्कूल' ने शक्तिशाली और सार्वभौमिक अभियान तैयार किया है, जिसका प्रीमियर 20 से 24 जनवरी तक चले स्विट्जरलैंड के दावोस-क्लोस्टर्स में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 55वीं वार्षिक बैठक के दौरान किया गया। गीत '195' की कार्यकारी निर्माता फुच्स ने कहा, ''यह हमेशा से मेरा सपना रहा है कि मैं इतिहास का पहला ऐसा गीत बनाऊं जिसमें धरती के हर देश को शामिल किया गया हो। हमारा लक्ष्य लैंगिक समानता तथा महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की वकालत करने एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों की मदद करने के लिए इस अग्रणी और अभूतपूर्व पहल में सभी क्षेत्रों की 195 आम महिलाओं को एकजुट करना था।''

दिव्यांगजनों के लिए योजनाओं का विस्तार करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए न केवल मौजूदा योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक विस्तृत और दूरदर्शी खाका तैयार कर चुकी है। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025–26 से लागू होने वाली योजनाएं इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता की भावना को और अधिक बल मिलेगा। इसके मुताबिक प्रदेश में अभी तक 25 जिलों में 'बचपन डे केयर सेंटर' संचालित है जिसमें सभी मंडल मुख्यालय तथा सात जिले शामिल हैं। बयान में कहा गया, ''योगी आदित्यनाथ सरकार इसका विस्तार करते हुए इसे (बचपन डे केयर सेंटर) 26 और जिलों में संचालित करने की योजना बना रही है। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रारंभिक देखभाव, शिक्षा प्रदान की जाएगी, जिससे वे भविष्य में बेहतर विकास की ओर अग्रसर हो सकें।''

इसमें कहा गया कि इसके अतिरिक्त प्रदेश के स्टेडियम व खेल परिसरों को दिव्यांगजन-अनुकूल बनाए जाने के लिए एक नयी योजना प्रस्तावित की गई है। बयान में कहा गया कि 'ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' पोर्टल के माध्यम से विशेष स्कूलों के छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों और कलाओं का प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों की प्रतिभा को संवारने और उनके सर्वांगीण विकास की निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी। इसमें कहा गया, ''उत्तर प्रदेश सरकार मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के पुनर्वास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए सभी जनपदों में मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें सरकारी एवं गैर सरकारी भागीदारी से ऐसे बच्चों को सुरक्षित वातावरण और आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उप्र : महाराजा सुहेलदेव के सम्मान में 10 जून को 'विजय दिवस' मनाएगी सुभासपा

लखनऊ (एजेंसी) सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने महाराजा सुहेलदेव राजभर की 'आक्रांताओं' पर ऐतिहासिक जीत के सम्मान में 10 जून को भव्य समारोह आयोजित करने की घोषणा करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) तथा कांग्रेस ने सुहेलदेव की विरासत को इतिहास से मिटा दिया।

राजभर ने लखनऊ में प्रेस वार्ता में कहा, "आज मैं एक ऐतिहासिक घोषणा करने और कुछ गंभीर सवाल उठाने आया हूं। सालों पहले, महाराजा सुहेलदेव राजभर ने 3 लाख लोगों की सेना के साथ लूट और विनाश फैलाने के लिए भारत में प्रवेश करने वाले महमूद गजनवी के कमांडर सालार मसूद गाजी की हमलावर सेनाओं को हराकर भारतीय संस्कृति और पहचान की रक्षा की थी।"

राजभर ने महाराजा सुहेलदेव राजभर की उस जीत को न केवल सैन्य विजय बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रक्षा का प्रतीक बताते हुए कहा कि 10 जून को महाराजा सुहेलदेव की निर्णायक जीत के स्थल यानी बहराइच में एक भव्य 'विजय दिवस' समारोह आयोजित किया जाएगा।

राजभर ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान शौर्य मेला भी आयोजित किया जाएगा जिसमें सभी समुदायों के लोग भाग लेंगे। यह हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवंत और उसे संरक्षित करने का अवसर होगा।

उन्होंने विरोधी राजनीतिक दलों को कठघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने महाराजा सुहेलदेव के योगदान को नजरअंदाज किया।

उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कहा, मैं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या आपने वोट बैंक की राजनीति के लिए महाराजा सुहेलदेव राजभर जैसे राष्ट्रीय नायक की विरासत को मिटाने की कोशिश की? उनकी कहानी को पाठ्यपुस्तकों से बाहर क्यों रखा गया? उन्होंने यह भी कहा, ₹समाजवादी पार्टी ने बहराइच में आक्रांता सालार मसूद गाजी की याद में कार्यक्रम क्यों आयोजित किए लेकिन उसी धरती पर सुहेलदेव की बहादुरी का सम्मान कभी नहीं किया?

राजभर ने कहा, इतिहास में मुगलों के साथ हमेशा लड़ाई होती रही है। उनके वंशजों से वोट मांगने के लिए सपा और कांग्रेस ने सारी 'ड्रामेबाजी' की।

संपादकीय

डराती है मामूली विवाद में सहपाठी की हत्या

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता-पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां-बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना-लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया। बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता-बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है।

बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी। वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल-कालेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां-बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखायी देता कि वे कैसे उन्हें पाल-पोस व पढ़ा-लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं। उनके द्वारा ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिये जिम्मेदार प्रवृत्ति का स्रोत क्या है? ऐसे बच्चों में कानून का भय क्यों नहीं है? कभी लगता है कि हमारे जीवन का हिस्सा बने तकनीकी साधन बच्चों के विवेक पर आक्रमण कर रहे हैं। जिससे उनमें सही-गलत की सोच की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म, वेब सीरीज तथा इंटरनेट में व्याप्त आपराधिक कार्यक्रम उन्हें हिंसक बना रहे हैं। जिससे वे बेलगाम सपनों के संजाल में भी फंसते हैं, जिन्हें पूरा करने को वे हिंसक राह पर उतर जाते हैं।

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

» डॉ. आशीष वशिष्ठ

लेखक- राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए।

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी।

2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है।

वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं।

नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं।

मुद्दा

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं।

पर्सनालिटी

राज कपूर ने स्पॉटबॉय के रूप में रखा था इंडस्ट्री में कदम, ऐसे बने हिंदी सिनेमा के शोमैन

अभिनेता, निर्देशक और निर्माता रहे राज कपूर का 02 जून को निधन हो गया था। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर की शुरूआत बतौर स्पॉटबॉय के रूप में की थी। राज कपूर ने सिनेमा की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया।

हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े शोमैन राज कपूर का 02 जून को निधन हो गया था। राज कपूर को एक अभिनेता, निर्देशक और निर्माता के तौर पर याद किया जाता है। हालांकि उनका यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा था। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर की शुरूआत बतौर स्पॉटबॉय के रूप में की थी। राज कपूर ने सिनेमा की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। उनका योगदान सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने इस क्राफ्ट को एक आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज कपूर को भले ही अभिनय विरासत में मिला था, लेकिन अभिनय के प्रति उनके जज्बे में हिंदी सिनेमा को 'राज' दिया। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर राज कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पाकिस्तान के पेशावर में 14 दिसंबर 1924 को राज कपूर का जन्म हुआ था। राज कपूर अपने 6 भाई-बहनों में से सबसे बड़े थे। राज कपूर के पिता का नाम पृथ्वीराज कपूर था। वह अपने पिता के साथ मुंबई आ गए। तब उनके पिता पृथ्वीराज कपूर ने कहा कि नीचे से शुरूआत करोगे तो ऊपर तक जाओगे। इस बात को राज कपूर ने दिल से लगा लिया और इंडस्ट्री के सबसे निचले स्तर से शुरूआत की थी।

फिल्मी सफर

बता दें कि राज कपूर ने महज 11 साल की उम्र में इंडस्ट्री में काम करना शुरूकर दिया था। वह पहली बार साल 1935 में फिल्म 'इंकलाब' में दिखाई दिए थे। वहीं 17 साल की उम्र में उन्होंने रंजीत मूवीकॉम और बॉम्बे टॉकीज में स्पॉटबॉय और क्लैपर ब्वॉय के तौर पर काम किया था। राज कपूर ने साल 1947 में आई फिल्म 'नील कमल' से बतौर लीड एक्टर काम किया। इसमें उन्होंने एक्ट्रेस मधुबाला के साथ काम किया था। वहीं महज 24 साल की उम्र में साल 1948 में राज कपूर ने अपना स्टूडियो खोल दिया था। जिसका नाम आरके फिल्म्स था। आरके स्टूडियो हिंदी सिनेमा के लिए एक सौगात था। जिसने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों की झड़ी लगा दी। वहीं राज कपूर ने फिल्म आग से निर्देशन में कदम रखा था। हालांकि यह फिल्म कुछ खास कमला नहीं कर सकी। लेकिन आलोचकों ने राज कपूर के काम को सराहा। इसके बाद साल 1949 में बरसात और अंदाज जैसी फिल्मों ने राज कपूर को सुपरस्टार बना दिया

मृत्यु

वहीं 02 जून 1988 को 63 साल की उम्र में राज कपूर का निधन हो गया

आज का इतिहास

3 जून की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1918 - गांधी जी की अध्यक्षता इन्दौर में 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' आयोजित हुआ और उसी में पारित एक प्रस्ताव के द्वारा हिन्दी राजभाषा मानी गयी।
1994 - भारत सहायता क्लब का नया नाम 'भारत सहायता मंच' किया गया।
1999 - हावरक्राफ़्ट विमानों के अविष्कारक क्रिसटोफ़र काकरैल का निधन, यूगोस्लाविया द्वारा कोसोवो शांति योजना को मंजूरी, मिस्र के राष्ट्रपति हुश्नी मोबारक लगातार चौथी बार राष्ट्रपति चुने गये।
2004 - केन फ़ोर्ड नासा के अंतरिक्ष खोज पैनल के नेतृत्वकर्ता बने।
2005 - फ़्रांस ने सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन दुहराया।
2008 - तेलंगाना राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के. चन्द्रशेखर राव ने उपचुनाव में क़रारी हार के बाद अपने पर से इस्तीफ़ा दिया। केन्द्र सरकार ने सीमेंट निर्यात पर रिफंड को दी गई मंजूरी वापस ली।

3 जून को जन्मे व्यक्ति

1982 - तृप्ति मुर्गुंडे - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जो एकल और युगल खेलती हैं।
1970 - तालारी रंगैय्या - आंध्र प्रदेश के राजनीतिज्ञ हैं।
1941 - रूमा पाल - भारत की प्रसिद्ध महिला न्यायधीश रही हैं।
1930 - जॉर्ज फ़र्नांडिस - एक पूर्व ट्रेड यूनियन नेता थे, जो राजनेता, पत्रकार और भारत के रक्षामंत्री रहे।
1929 - विमनभाई पटेल - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे, जो गुजरात के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
1924 - एम. करुणानिधि - भारतीय राजनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री थे।
1912 - सोहराब फिरोजशाह गोदरेज - प्रसिद्ध भारतीय व्यवसायी, उद्यमी और गोदरेज समूह के अध्यक्ष थे।
1895 - पणीक्कर, के. एम. - मैसूर (कर्नाटक) के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, राजनीयक और विद्वान।
1867 - हरविलास शारदा - भारत के प्रसिद्ध शिक्षाविद, राजनेता, समाज सुधारक, न्यायविद और लेखक थे।
1844 - बालकृष्ण भट्ट - आधुनिक हिन्दी साहित्य के शीर्ष निर्माताओं में से एक।

3 जून को हुए निधन

2011 - भजन लाल - हरियाणा के कुशल राजनीतिज्ञ तथा तीन बार के मुख्यमंत्री थे।
1994 - त्रिभुवनदास कृषिभाई पटेल - सामुदायिक नेतृत्व।
1976 - विगगो कैंपमैन - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे जो डेनमार्क के सामाजिक डेमोक्रेट्स के नेता थे।
1976 - मुनि जिनविजय - प्राचीन भारतीय साहित्य के अन्वेषी, संपादक और पाठालोचक थे।
1974- कृष्ण बल्लभ सहाय- बिहार के मुख्यमंत्री

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भाकियू शंकर ने किसान समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन, 6 जून को कलेक्ट्रेट का करेंगे घेराव

» सब का सपना

धनौरा/अमरोहा: भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को किसान समस्याओं को लेकर अमरोहा तहसील पर धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की है। इस दौरान संगठन ने 12 सूत्रीय एक मांगपत्र उपजिलाधिकारी को सौंपते हुए सभी समस्याओं का 5 जून तक निस्तारण करने की मांग की है। 5 जून तक सभी समस्याओं के समाधान नहीं किये जाने पर भाकियू शंकर संगठन के द्वारा आगामी 6 जून को अमरोहा कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए जोरदार धरना प्रदर्शन किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर घर जल-हर घर नल मिशन योजना पूरी तरह से भृष्टाचार की भेंट चढ़ गई है,देश की जनता का लाखों करोड़ रुपया पानी में बहा दिया गया है, इस योजना में बहुत ही घटिया स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है, गांवों की सड़कें-खड़ंजे व नालियों को तोड़कर ऐसे ही छोड़ दिया गया है जिस कारण ग्रामीणों व पशुओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश में किसानों को केसीसी के लिएं खाता लाइफटाइम के लिएं दिया जाए, जिस बैंक में मिनिमम ब्याज दर की सुविधा हो किसान अपना केसीसी खाता उस बैंक में पोर्ट करा सके। सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी है लेकिन सभी बैंकों ने अभी इसे लागू नहीं किया है, इसका लाभ सभी किसानों को दिया जाना चाहिए, साथ ही तहसील स्तर पर भूमि बंधक या मुक्त करने की प्रक्रिया को सरल किया जाए जिस से किसानों को तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें। किसानों को यूरिया व डीएपी के साथ में जबरन तरीके से नैनों यूरिया दिया जा रहा है इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए । सरकार द्वारा प्रदेश में जैविक-प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, किंतु किसानों द्वारा इस विधि से उत्पादित फसलों का उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाने से वो हताश है, सरकार को इन सभी फसलों व उत्पादों को उचित मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिये। ग़जरौला में औद्योगिक इकाइयों द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण पर रोकथाम की जानी चाहिए।मध्य गंगा नहर फेस 2 का कार्य पूर्ण कराते हुए इसमें पानी छोड़ा जाए, बागों में खतरनाक पेस्टीसाइड का इस्तेमाल किया जा रहा है जिस से मानव जीवन के साथ ही जीव जंतुओं पर गंभीर असर हो रहा है, इस पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। सभी रासायनिक उर्वरकों व पेस्टीसाइड का सेम्पलिंग कराया जाए, इफको जैसी संस्था में अभी राजस्थान में छापा पड़ने पर वहाँ बनने वाले सभी उर्वरक नकली पाए गए, इफको के उत्पादों पर देश का किसान भरोसा करता था लेकिन अब इस खुलासे से किसान हैरान व परेशान है। ये नकली उर्वरक किसान की भूमि को बंजर बनाने का काम कर रहे हैं, आज से 3 वर्ष पूर्व भी हमारे संगठन ने इसकी सेम्पलिंग कराई थी जिसमें इसके सभी नमूने फेल पाए गए थे, इस सब पर रोक लगाई जानी चाहिए। रजिस्ट्रार कार्यालय नवनिर्माण तहसील भवन गुलड़िया में संचालित किया जाए। वेव शुगर मिल धनौरा द्वारा किसानों व अपने कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है,लगभग 1 माह का किसानों का 1 अरब रुपया शुगर मिल दबाए बैठी है, इसके साथ ही इस चीनी मिल में लगभग 105 गन्ना क्रय केंद्र पर 105 चौकीदार व 150 तौल बाबू हैं,जिनको 5 हज़ार चौकीदार व 12 से 15 हज़ार तौल बाबू को वेतनमान दिया जाता है,जिस कारण वह किसानों से एक पर्ची पर 60 किलो गन्ना काटते हैं , संगठन मांग करता है कि उक्त कर्मियों को वेजबोर्ड में शामिल करते हुए उनका वेतन बढ़ाया जाए व किसानों से गन्ने पर कौ कटौती न की जाए। किसान हित में जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन किया जाए। अगर इन अभी समस्याओं का आगामी 5 जून तक निस्तारण नहीं किया जाता है तो संगठन के द्वारा 6 जून (शुक्रवार) को अमरोहा कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए विशाल धरना-प्रदर्शन व आंदोलन किया जाएगा। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा, जिला गन्ना अधिकारी,समस्त मुख्य प्रबंधक चीनी मिल,एसपी तोमर यूनिट हेड वेव शुगर मिल धनौरा,अर्पण आनंद जी वेव ग्रुप,परियोजना अधिकारी अमरोहा, अधीक्षण अभियंता विधुत वितरण मंडल अमरोहा, जिला वन अधिकारी,मुख्य अभियंता मध्य गंगा नहर फेस 2,प्रदूषण अधिकारी बिजनौर, डीडीसी चकबंदी अमरोहा, एआर कोऑपरेटिव अमरोहा, जिला आपूर्ति अधिकारी अमरोहा, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी अमरोहा, मुख्य अभियंता जल निगम,जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी,कृषि उपनिदेशक,जिला परिवहन अधिकारी अमरोहा से संवाद किया जाना नितांत आवश्यक है।

इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह,जगत सिंह चौहान, विक्रम पंवार, अंकित चौधरी, मोनू चौधरी, बबिता रानी, अशोक चौधरी, मंजू शर्मा,राकेश रतनपुर, राजवीर सिंह गुर्ज़र, सुखवीर सिंह, अख्तब, जितेंद्र, सत्यवीर सिंह, देवराज सिंह, दीपक कुमार,ओमवीर सिंह, ठाकुर सिंह,सोमपाल सिंह, डूंगर सिंह,नन्हे सिंह, राजाराम हकीम जी, गुड्डू सिंह,सुभाष आर्य,राजू,अमन चौधरी,प्रदीप सिंह,अतुल कुमार व महिपाल सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला में तेज रफ़्तार बाईक व स्कूटी की भिड़त

स्कूटी सवार युवक की मौत

» सब का सपना

गजरौला: कोतवाली के नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार बाइक व स्कूटी की भिड़त हो गई जिसमें स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उधर परिवार जनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बता दें कि ये मामला नगर कोतवाली के हाईवे 9 स्थित मोगा होटल के ठीक सामने का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि मृतक प्रमोद चौहान पुत्र लेखराज सिंह निवासी गांव वारसाबाद हाईवे स्थित होटल पर एक कैंटीन चलाता था ।सोमवार सुबह करीब 5:00 बजे के आसपास में प्रमोद चौहान अपनी स्कूटी लेकर गांव आ रहा था।हाईवे स्थित मोगा होटल के सामने स्कूटी लेकर पहुंचे तो सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने से प्रमोद चौहान की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जिसने आनन-फानन में प्रमोद को तुरंत गजरौला समुदाय स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। मौत की सूचना लगते ही परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

तीन दिन बाद गंगा में उतराता मिला अरुण का शव

» सब का सपना

गजरौला: कोतवाली क्षेत्र के गंगा धाम तिगरी में तीन दिन पहले गंगा में डूबे युवक का शव गंगा में उतरता हुआ मिला है।

बता दे कि बीते तीन दिन पहले शुक्रवार की दोपहर अरुण व गजेंद्र निवासी शाहपुर और बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव लखमिया के गौरव व सौरभ तिगरी में नहाने गए।

जिसके दौरान अरुण ने रील बनाने के चक्कर में बांध से गहरे जल में छलांग लगा दी थी और अपने साथी को वीडियो बनाने के लिए फोन उसके हाथ में दे दिया था।

बांध से छलांग लगाते हुए अरुण का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। बांध से चलांग लगाने के बाद अरुण गहरे जल में चला गया और डूबने लगा।साथियों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन नाकाम रहे।

आस पास स्नान कर रहे साथियों के शोर मचाने पर गंगा तट पर मौजूद लोग उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े लेकिन इसी बीच वह गहरे जल में चला गया।

सोमवार को एसडीआरएफ की टीम के साथ तिगरी के गोताखोर ओमपाल सिंह ठाकुर सिंह आदि उनकी तलाश में उसी दिन से जुटे थे इसी क्रम में रविवार रात करीब 9:00 बजे अरुण का सब गंगा में उतराता हुआ मिल गया।

भाकियू टिकैत की महापंचायत को लेकर धनौरा में समीक्षा बैठक का आयोजन

» सब का सपना

धनौरा/अमरोहा: भारतीय किसान यूनियन टिकैत की 4 जून को गजरौला में होने वाली महापंचायत को लेकर एक समीक्षा बैठक ब्लाक धनौरा के सभी पदाधिकारीयों मैन बॉडी एवं युवा की प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी दानवीर सिंह ने फतेहपुर मे अपने कार्यालय पर बुलाई।

बैठक मैं उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष दानवीर सिंह ने कहा की 4 जून की महापंचायत एक ऐतिहासिक पंचायत होगी जिसमें मुख्य रूप से बिजली विभाग गन्ना विभाग वन विभाग और जिले के सहकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता होगी और उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि यदि महापंचायत में उपरोक्त में से किसी भी विभाग से वार्ता सफल नहीं हुई तो किसान दिल्ली मुरादाबाद हाईवे एवं दिल्ली मुरादाबाद रेल मार्ग भानपुर फाटक गजरौला दोनों का चक्का जाम करेगी अब जिले के किसान में पीड़ा सहने की क्षमता नहीं रही है अमरोहा जिले का किसान आंदोलन में आर पार की लड़ाई के मूड से एक भारी संख्या में गजरौला भानपुर फाटक पर एकत्रित होंगे तथा प्रदेश उपाध्यक्ष जी ने जो जिले की कार्यकारिणी गांव-गांव जाकर किसानों को एकजुट होने की एवं भारी संख्या में पंचायत में पहुंचने की तैयारी कर रही है उसकी पूरी तैयारी की समीक्षा की!

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारीयों ने बताया की जिले के किसानों में भारी आक्रोश है अब पूरे जिले में यह आंदोलन जलजला बनकर उबरेगा जिला अमरोहा का किसान अब किसी भी कीमत पर शोषण नहीं सहेगा बैठक में उपस्थित रहे गुरमीत सिंह बचन सिंह सुभाष चीमा मयंक धारीवाल सोवीर सिंह देसराज सिंह नकुल चौधरी सोनू चौधरी आदि सेकड़ो पदाधिकारी मौजूद रहे!

नागपाल इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

16वें उत्तर प्रदेश डांस स्पॉट चैंपियनशिप 2025 में कई पदक जीतकर विद्यालय का किया नाम रोशन

» सब का सपना

गजरौला/अमरोहा: नागपाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाते हुए 16वें उत्तर प्रदेश डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में कई पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। जिसके क्रम में विद्यालय की छात्र आराध्या राजपूत ने सेमी-क्लासिकल डांस (अंडर-12) में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता है,स्वरा श्रीवास्तव ने क्लासिकल डांस (अंडर-12) में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया,अक्षय सिंह ने कंटेम्पररी डांस (अंडर-17) में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम ऊंचा किया,हॉरर ग्रुप ने अपनी अद्वितीय प्रस्तुति से सभी ग्रुप श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया,घूमर डांस ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से समग्र प्रथम स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर विद्यालय के चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है, जिसमें बच्चे शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति कर रहे हैं।चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने आगे कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विभिन्न छात्रों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म प्रदान करता रहेगा, जिससे वे अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास कर सकें।उन्होंने डांस टीचर कमल वर्मा जी को उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।मेंटर देवेंद्र नागपाल ,डायरेक्टर समीर नागपाल,प्रधानाचार्या निशि सिंह और सम्पूर्ण नागपाल इंटरनेशनल स्कूल परिवार की ओर से सभी प्रतियोगी छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई साथ कहा कि हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वे भविष्य में भी इसी तरह अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहेंगे।विद्यालय परिवार को अपनी इस उपलब्धि पर गर्व है और हम छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

ऑफिस के बाहर डिप्टी कलेक्टर ने अनोखे अंदाज में सुनी जनता की समस्याएं

» सब का सपना/ रोहित कुमार

अमरोहा: जनपद में डिप्टी कलेक्टर प्रथम शैलेश कुमार दुबे ने 24 मई को चार्ज ग्रहण कर लिया है। जिसके बाद वह सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर कार्य करने में जुड़ गए हैं। हालांकि उससे पहले शैलेश कुमार दुबे प्रदेश के जिला संत कबीर नगर की सदर तहसील में तैनात है। जिन्होंने एक साल 8 महीने मेहनत और लगन के साथ अपने कार्यों को अंजाम दिया।

इसके बाद शासन के निर्देश पर उनका तबादला संत कबीर नगर जिले से अमरोहा जिले के लिए हुआ। जिन्होंने 24 तारीख को चार्ज लेते ही कार्य करना शुरू कर दिया। इस दौरान शैलेश कुमार दुबे ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में अपने ऑफिस से बाहर निकाल कर जनता की समस्याओं को अनोखे अंदाज में सुना। जहां डिप्टी कलेक्टर के इस अनोखे अंदाज से जनता के चेहरे पर खुशी का माहौल छा गया गया। जिसके बाद उन्होंने सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का निवारण करने आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही उनके समस्याओं का समाधान किया जाएगा। डिप्टी कलेक्टर कहना है कि जनता की समस्याओं का ज्यादा से ज्यादा समाधान किया जाएगा, और राजस्व विभाग के कार्य को समय पर पूरा करने की बात कही है।

आधार कार्ड संशोधन केंद्र चालू न होने से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

» सब का सपना

हसनपुर/अमरोहा: क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक उमेश सेन के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं व ग्राम वासियों ने हसनपुर क्षेत्र में आधार कार्ड निर्माण व संशोधन न होने की समस्या को उठाया। कहा कि छात्र छात्राओं, नई शादी शुदा महिलाओं, व नए आधार कार्ड निर्माण की हर समय आवश्यकता होती है। लेकिन आधार कार्ड निर्माण केंद्र बंद होने की वजह से जरूरत मंद लोगों को दूर के स्थानों जोया, अमरोहा जाना पड़ता है। जहां पर निर्धारित शुल्क के स्थान पर लगभग 500 रुपए प्रति आधार कार्ड वसूले जाते हैं। जटिल समस्या के समाधान के प्रति स्थानीय प्रशासन कतई गंभीर नहीं है। बैठक में उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने अधिकारियो से मिलकर समस्या का समाधान कराने का आश्वाशन दिया कहा कि आधार कार्ड निर्माण व संशोधन न होना क्षेत्र के लोगों की गंभीर समस्या है। इसका शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। शीघ्र समाधान न होने की स्थिति में परेशान लोगों के साथ आगामी समाधान दिवस हसनपुर में समस्या को रखा जाएगा।आवश्यकता पड़ने पर धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस अवसर पर महिपाल सिंह भारतीय किसान संघ, उमेश सेन, विजेंद्र सिंह, राजीव कुमार, विपिन, कुनिपाल, विशेष, संजीव, जवर सिंह, संजय, सुमन देवी, दयावती, सीमा, मुन्नी, शीतल, मंजू, कांता , मित्लेश , प्रमोद आदि उपस्थित रहे।

जिले की खराब रैंकिंग पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने रोका सचिवों का वेतन

» रोहित कुमार/ सब का सपना

अमरोहा : जनपद की जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने जिले में खराब रैंकिंग पर 57 पंचायत सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी की बड़ी कार्यवाही से पंचायत सचिवों में खलबली मची हुई है।

जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने बताया है कि ग्राम स्वराज पोर्टल पर 15 में वित्त आयोग के अंतर्गत पेमेंट वाउचर बनाकर save initiative कर देने से ही ग्राम पंचायत में वह प्रदर्शित हो जाने के कारण कम टैक्स बोर्ड पोर्टल पर जनपद कि वह भी अधिक प्रदर्शित हो रहा था। पंचायत राज मंत्रालय उत्तर प्रदेश द्वारा केंद्रीय वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायत को प्राप्त ही ग्राम स्वराज पोर्टल पर 15 में वित्त आयोग एवं पांच में वित्त आयोग के अंतर्गत वह अवशेष धनराशि की आज 29 मई 2025 को समीक्षा की गई। जिसमें पाया गया कि अधिकांश ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि का व्यय नहीं की जा रही है। जिसके कारण जनपद की रैंक सीएम डैशबोर्ड पर माह मई 2025 की प्रगति खराब श्रेणी में प्रदर्शिb4त हो रही है। जिस पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कड़ी नाराजगी जताई है। जिसके बाद उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

जिसकी बात जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने पंचायत सचिवों के लापरवाही रिवैया से तंग आकर सचिवों के खिलाफ वेतन रोकने की कार्यवाही की है।

इस दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने विकासखंड अमरोहा के पंचायत सचिव पवित्र कुमार, प्रियांशु वर्मा योगेश कुमार, पारुल, सरोज अली, सत्येंद्र सिंह, जय किशोर, पंकज कुमार, रामवीर सिंह, अभिषेक कुमार, पुष्पा और विकासखंड धनोरा में पंचायत सचिव अशोक कुमार, महेश कुमार, राजकुमार, राजकुमार सैनी, रामगोपाल सिंह, रोहित कुमार, सुदेश कुमार, मोहम्मद नसीम, राजीव सिंह, संदीप सिंह, गजरौला विकासखंड में पंचायत सचिव राजपाल सिंह, फौजेंद्र कुमार, पल्लवी, शिवम, गौरव सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राहुल सिंह राणा, के. एम मंजिला, अर्चना सैनी, उपेंद्र कुमार, अमरजीत सिंह, विकासखंड गंगेश्वरी में पंचायत सचिव मुस्तकीम अहमद, पुष्पेंद्र सिंह, विकासखंड हसनपुर में पंचायत सचिव अवनीश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, अतर सिंह, विकास कुमार, विपिन कुमार, रामनिवास, कविंद्र सिंह, विपिन कुमार, सुरेंद्र सिंह, स्वप्निल कुमार, खुर्शीद अहमद, और विकासखंड जोया में पंचायत सचिव विजेंद्र कुमार, मोहित चौधरी, देवेश कुमार, सत्यम बंसल, जाहिद खान, मोहम्मद इमामुद्दीन, सचिन पाल, राजकुमार, बृजेश कुमार, मोहम्मद अयूब, मोहम्मद इरफान आदि पंचायत सचिवों के मई माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि यदि जिले की रैंकिंग खराब रही तो पंचायत सचिवों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी की बड़ी कार्यवाही से पंचायत सचिवों में खलबली मची हुई है।

4 सब का सपना हिंदी दैनिक
सम्भल /अमरोहा
अमरोहा
मंगलवार- 3 जून 2025
www.sabkasapna.com

वंदे मातरम समूह ने गरीबों के हक पर डाला डाका

गरीब लोग हो रहे हैं परेशान, कैसे होगा गरीबों की समस्याओं का समाधान

» रोहित कुमार/ सब का सपना

अमरोहा: जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने राशन डीलरों को समय पर राशन बांटने और साथ ही अपात्र लोगों के राशन कार्ड काटने के आदेश दिए हैं। कहां है कि जिले में किसी भी कीमत पर आपात्रों को राशन नहीं दिया जाएगा। ओर ज़िले में अभियान चलाकर अपात्र लोगों के राशन कार्ड काटे जाने के निर्देश दिए है।

वही विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालाखेड़ा की जनसंख्या आबादी सबसे अधिक है। जिसमें आधे से ज्यादा सरकारी नौकरी, 1 हेक्टेयर से अधिक जमीन, और साथ ही घर में ट्रैक्टर कार व अन्य यंत्रों का कारोबार करते हैं। ऐसे अपात्र लोगों को भी राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस दौरान ग्राम पंचायत कालाखेड़ा में वंदे मातरम समूह के द्वारा गरीबों के हक पर डाका डाला जा रहा है। इसी के साथ ग्रामीण लोगों की माने तो ग्रामीण लोगों ने बताया है कि उन्हें एक यूनिट पर 4.500 किलो ग्राम राशन उपलब्ध कराया जा रहा है और जिसके परिवार में 6 सदस्य हैं।

उनसे 3 किलो राशन कटौती की वसूली की जा रही है। इसी के साथ-साथ उन्होंने यही बताया है कि गांव में आधे से ज्यादा अपात्र लोग हैं। जिनको पत्रों से पहले राशन उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में वंदे मातरम समूह के

■ ऐसे में कोटेदारों और समूह के सदस्य की लापरवाही से न जाने कितने गरीब लोग सरकार की योजना से वंचित रह जाते हैं।

सदस्यों के कान पर ना तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशों का असर है। और नहीं प्रशासनिक अधिकारियों का डर। जो खुलेआम प्रशासनिक आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे है। ऐसे में कोटेदारों और समूह के सदस्य की लापरवाही से न जाने कितने गरीब लोग सरकार की योजना से वंचित रह जाते हैं। जहां अपात्र लोगों की वजह से पात्र लोगों को सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पाता। जबकि जिले में 10 दिन पूर्व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी कोटेदारों को अपत्रों के राशन कार्ड काटने और साथ ही पात्र लोगों को प्रत्येक यूनिट पर 5 किलो राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन बंदे मातरम समूह जिलाधिकारी के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहा है। ऐसे में सवाल पूर्ति विभाग के अधिकारियों की कार्य शैली पर खड़ा होता है कि पूर्ति विभाग ऐसे लापरवाह कोटेदारों पर कार्यवाही क्यों नहीं कर पाता, जो गरीब लोगों के हक पर डालने का काम करते है। अब आगे देखने वाली यह बात होगी कि पूर्ति विभाग के अधिकारी ऐसे लापरवाह कोटेदारों के खिलाफ क्या कार्यवाहीं करते है।

संभल में एएमआइएएम के पदाधिकारी जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

» (हनी चन्द्रा) सब का सपना

संभल। एएमआइएएम साफ-सफाई, बिजली-पानी की व्यवस्था की रखी गई मांग। सम्भल में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एएमआइएएम के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। इसम ईद-उल-अजहा के दौरान बुनियादी सुविधाओं की मांग की गई है।

एएमआइएएम के जिला अध्यक्ष असद अब्दुल्ला ने कहा कि यह त्योहार मुस्लिम समुदाय के लिए आस्था का प्रतीक है। उन्होंने प्रशासन से साफ-सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। समुदाय से कुर्बानी के दौरान वीडियो न बनाने की अपील की। खून को गड्ढे में इकट्ठा करने और जानवरों के अवशेष नगर पालिका के ट्रैक्टरों में डालने का आग्रह किया। शकील अहमद एडवोकेट ने प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार स्वच्छता और भाईचारे के साथ मनाया जाए। असद अब्दुल्ला ने कहा कि त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में मनाना सभी की जिम्मेदारी है। ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया है। जो आगे जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। इस मौके पर एएमआइएएम के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति अध्यक्ष ने फोरलाइन के निर्माण हेतू ज्ञापन दिया

» (हनी चन्द्रा) सब का सपना

संभल/चंदौसी: ग्राम असालतपुर जारई से लगभग 2 किलोमीटर आगे वेरनी चन्दौसी मार्ग से जुड़ने वाली फोर लेन पक्की सड़क के सम्बंध में लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिशासी अभियन्ता सुनील प्रकाश को दिन के 12:30 बजें उनके कार्यालय में ज्ञापन सौपा। जिसमें कहा गया है कि चंदौसी वेरनी मार्ग से 5 मीटर चौडीं जो कच्ची रास्ता बनियाठेर चंदौसी मुरादाबाद हाईवे से जुड़ती है उस रास्ते की बीच को केन्द्र बिन्दू मानकर सड़क के दोनों ओर की भूमि फोर लाईन सड़क के लिए बराबर बराबर न लेने बल्कि (हिंदुस्तान इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क) के स्वामी की मिली भगत से सड़क

में आ रही उनकी भूमि बचाने हेतू (PWD) के जे.ई.द्वारा उस कच्ची रास्ता की एक साइड चिन्हित करने के सम्बंध में वार्ता की गई तो उन्होंने वार्ता के दौरान आश्वासन दिया कि किसानों के साथ अहित नहीं होगा। अभी सभी किसानों की एक मीटिंग सहमति हेतु बुलाई जाएगी तभी आगे कार्य किया जाएगा। इस पर किसान नेताओं ने कहा कि अगर उस रास्ते के बीच केंद्र बिंदु से दोनों तरफ की सड़क बराबर नहीं नापी गई तो किसान भूमि नहीं देंगे इसके साथ-साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मुकेश शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, शानू शर्मा, चीनू जैन, मनोज कुमार, सुदेश कुमार, राहुल कश्यप आदि किसान नेता मौजूद रहे।

समस्याओं के समाधान हेतु एकजुट रहे शिक्षा मित्र: यशपाल

शिक्षा मित्रों को जल्द स्थाई करे सरकार : कुलदीप चौहान, मृत शिक्षामित्रों की आत्मा की शांति हेतु रखा दो मिनट का मौन

» सब का सपना

अमरोहा: उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ब्लॉक इकाई हसनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप चौहान ने की एवं संचालन ब्लॉक मंत्री जगत सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा मित्र आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। बढ़ती मंहगाई के हिसाब से उनका मानदेय नाकाफी हैं। उन्होंने मानदेय बढ़ोतरी के साथ साथ ट्रांसफर व्यवस्था को भी लागू करने की मांग दोहराई।

ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह ने बताया कि अभी हाल ही में शिक्षा मित्र संघ के प्रांतीय उपमहामंत्री रमेश चन्द्र मिश्रा एवं विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय

महमूदाबाद में कार्यरत शिक्षामित्र बृजेश कुमार की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई है। जिससे शिक्षामित्र संघ को गहरा आघात पहुंचा है। दोनों शिक्षामित्र साथी संगठन के सच्चे सिपाही थे। उनके निधन से संगठन को जो क्षति हुई हैं उसकी भरपाई नहीं की जा सकती हैं।

शिक्षा मित्र संघ हसनपुर के ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप चौहान ने उत्तर प्रदेश सरकार से शिक्षा मित्रों को जल्द से जल्द स्थाई करने की मांग उठाई। और कहा कि लम्बे समय से शिक्षामित्र बेसिक शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अंत में दोनों शिक्षा मित्र साथियों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण भी रखा गया। इस अवसर पर शिक्षा मित्र संघ के जिला उपाध्यक्ष वरुण गुर्जर,ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप चौहान, ब्लॉक मंत्री जगत सिंह, महताबउद्दीन,दिग्विजय सिंह,भूरे सिंह,पन्नादत्त, रमेश सिंह, हरपाल सिंह, राजपाल सिंह चौहान, मंगल सिंह चौहान, जब्बार अली,रोहताश सिंह,भूपाल सिंह,देवेश सिंह, देवेंद्र कुमार,प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में रुफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया

» (हनी चन्द्रा) सब का सपना

सम्भल। जनपद सम्भल सम्भल बहजोई कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में रुफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। सहायक अभियंता लघु सिंचाई जितेन्द्र शुक्ला द्वारा विकासखण्ड वार भूजल स्तर के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जनपद के आठ विकासखण्ड में से तीन विकासखण्ड क्रिटिकल जोन (पवांसा, सम्भल एवं बनियाखेड़ा) में हैं तथा विकासखण्ड रजपुरा सेफ जोन में हैं एवं अन्य विकासखण्ड सेमी क्रिटिकल जोन में हैं। जिलाधिकारी ने डीसी मनरेगा एवं

समस्त अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब खोदने की योजना तैयार की जाए। तालाबों के सत्यापन को लेकर भी निर्देशित किया। भूजल की कमी पर चर्चा की गयी तथा समस्त अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर पालिका के अन्तर्गत भूजल स्तर बढवाने के लिए नगर क्षेत्र में ट्रेंच बनवाया जाए। नदी जीर्णोद्धार महावा नदी, अरिल एवं महिष्मति नदी को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बंद पडे नलकूप एवं कुओं को लेकर चर्चा की गयी संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कुओं को रेनवाटर हार्वेस्टिंग में प्रयोग करने के लिए एक अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक एवं सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार,उप जिलाधिकारी चंदौसी निधि पटेल, उप जिलाधिकारी सम्भल वंदना मिश्रा, उपजिलाधिकारी गुन्नौर दीपक चौधरी, डिप्टी कलक्टर शुभि गुप्ता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष,उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा एवं सहायक अभियंता लघु सिंचाई जितेन्द्र शुक्ला एवं संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिकअप और टाटा 407 की जोरदार भिड़ंत में दो घायल एक की हालत गंभीर

» सब का सपना

बहजोई/संभल: पिकअप और टाटा 407 में जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें दो लोग घायल और एक की हालत गंभीर बताई जा रही है ।

जनपद संभल के थाना बहजोई इस्लाम नगर रोड ग्राम मिर्जापुर के पास एक जोरदार सड़क हादसा हो गया आपको बता दें घटना सोमवार सुबह 11 बजे की है गांव वंजरीया थाना बिसौली जनपद बदायूं निवासी राजपाल पुत्र मोहन लाल टाटा 407 चालक है ये अपनी गाड़ी द्वारा बहजोई से बिसौली जा रहे थे और दूसरी ओर इस्लामनगर की ओर से एक पिकअप तेज रफ्तार से आ रही थी तभी अचानक गांव मिर्जापुर के पास दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई टक्कर इतनी भयानक थी कि

बड़ा हादसा होते होते टल गया। तथा आवाज सुनकर आस पास के लोग मौके पर जमा हो गए जिसमें पिकअप में सवार व्यक्ति तथा चालक को भी चोट लग गई लेकिन ग्रामीणों द्वारा बताया गया पिकअप में सवार लोगों को मामूली चोट लगी है टाटा चालक वाहन में बुरी तरह फंस गया ग्रामीणों द्वारा काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई बाद में एम्बुलेंस भी आ पहुंची डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल बहजोई भेजा गया वहां चिकित्सकों ने सभी घायलों का उपचार कर एक की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल संभल को रेफर कर दिया।

पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक, सम्भल की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय एवं शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया गया

» सब का सपना

बहजोई/संभल: पुलिस उप महानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद मुनिराज जी के द्वारा पुलिस कार्यालय बहजोई जनपद सम्भल में गार्द की सलामी लेकर पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय एवं शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये ।

उपमहानिरीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न शाखाओं वाचक कार्यालय, पत्र व्यवहार शाखा, आंकिक शाखा, प्रधान लिपिक शाखा, डीसीआरबी, शिकायत प्रकोष्ठ एवं विशेष जांच

प्रकोष्ठ आदि का निरीक्षण किया गया तथा जरूरी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

शाखाओं के निरीक्षण के दौरान विभिन्न रजिस्टर्स/अभिलेखों का अवलोकन कर उनके व्यवस्थित रख-रखाव तथा उन्हें अद्यावधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त कर्मचारियों को निष्ठा, मेहनत, लगन व समर्पण की भावना से अपने-अपने दायित्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, व क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार आदि अधिकारीगण मौजूद रहे ।

शादी हेतु अनुदान योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक की गई आयोजित

» सब का सपना

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में माननीय विधायक धनौरा, राजीव तरारा एवं विधायक नौगावां सादात समरपाल सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक आयोजित की गई।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समिति को अवगत कराया कि जनपद अमरोहा को पिछड़ा वर्ग हेतु गरीब व्यक्ति की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के अंतर्गत 1482 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके सत्यापन

उपरांत 715 आवेदनों को स्वीकृत किया गया है।

जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति द्वारा 715 आवेदन को स्वीकृत कर धनराशि संबंधित को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। विधायक राजीव तरारा ने कहा कि शादी अनुदान योजना से संबंधित फ्लेक्सी जनपद की समस्त तहसील, ब्लाक एवं नगर पालिका/नगर पंचायत सहित कलेक्ट्रेट में लगवाई जाए ताकि लोगों को पात्रता की जानकारी प्राप्त हो और अधिक से अधिक पात्रों को उक्त योजना का लाभ प्रदान हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना के लिए कोई व्यक्ति मेरा या किसी जनप्रतिनिधि का नाम लेकर कार्य करने के लिए कहे तो सबसे पहले संबंधित को फोन करके संपर्क करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं में पात्रता एवं पात्रता की गहनता से जांच करें।

उन्होंने कहा कि अनुदान पेंशन युक्त योजनाएं लाचार व्यक्तियों के लिए हैं उनका लाभ लाचार व्यक्तियों को ही मिले किसी सक्षम व्यक्ति योजना का लाभ प्राप्त न हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद की समस्त तहसीलों, विकास खण्डों, नगर पालिका/नगर पंचायत सहित शादी अनुदान योजना की फ्लेक्सी दो दिवस के अंदर लग जाएं। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी धनोरा चंद्रकांता, उप जिलाधिकारी हसनपुर विभा श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमेरिका-चीन के बीच रुक जाएगा ट्रेड

आधी रह गई है सामान ले जाने वाले जहाजों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मामला दिन ब दिन खराब होता जा रहा है। चीन से अमेरिका जाने वाले जहाजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले 15 दिनों में यह संख्या फरवरी के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। अप्रैल के मध्य से इसमें 50 प्रतिशत गिरावट आ चुकी है। अमेरिका के वित्त मंत्री का कहना है कि चीन कई तरह के सामान रोक रहा है जिनमें रेयर अर्थ भी शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाल में कहा कि चीन ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए व्यापार समझौते का उल्लंघन किया है। इस समझौते के कारण दोनों देशों के बीच चल रहा टैरिफ युद्ध रुक गया था। दूसरी ओर चीन ने अमेरिका पर नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़काने का आरोप लगाया है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि चीन व्यापार वार्ताओं के समझौते को सख्ती से लागू कर रहा है लेकिन अमेरिका इसे गंभीर रूप से कमजोर कर रहा है। अमेरिका एकतरफा तरीके से नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़का रहा है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता और अस्थिरता बढ़ रही है। अगर अमेरिका अपनी मनमानी करता है और चीन के हितों को कमजोर करना जारी रखता है, तो चीन अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ और जोरदार उपाय करना जारी रखेगा।

जल्दबाजी में हुआ समझौता

इससे पहले ट्रंप के उस बयान के बाद आई हैं जिसमें उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि चीन ने अमेरिका के साथ किए गए समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। ट्रंप ने ट्रथ सोसाल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने चीन को एक बहुत बुरी स्थिति से बचाने के लिए उसके साथ जल्दी में समझौता किया। उन्होंने आगे कहा, मिस्टर नाइस गाय बनने का यही नतीजा है। दोनों देशों ने कुछ हफ्ते पहले जेनेवा में एक समझौता किया था। इसके तहत दोनों देशों ने अप्रैल में एक-दूसरे पर लगाए गए टैरिफ में कमी की थी। यह व्यवस्था 90 दिनों के लिए थी। लेकिन अब यह डील टूटने के कगार पर है क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते की भावना के खिलाफ काम करने का आरोप लगा रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत रुक गई है। उन्होंने सुझाव दिया है कि बातचीत में प्रगति के लिए ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग की भागीदारी आवश्यक है।

रेयर अर्थ पर बैन

अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद थी कि समझौते के बाद चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंधों को कम करेगा। इनका यूज आईफोन और इलेक्ट्रिक वीकल्स से लेकर एफ-35 लड़ाकू विमानों और मिसाइल प्रणालियों में होता है। उधर चीन का आरोप है कि अमेरिका उसकी कंपनियों के लिए टेक्नोलॉजी की बिक्री सीमित कर रहा है। साथ ही अमेरिका ने चीनी छात्रों की संख्या सीमित करने के लिए भी कदम उठाए हैं। इससे पता चलता है कि दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा का दायरा सिर्फ व्यापार तक ही सीमित नहीं है। चीन की विनिर्माण गतिविधि मई में लगातार दूसरे महीने घटी है।

वाट्सऐप यूजर्स को एसबीआई की चेतावनी, नहीं माने तो होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), जनता को आगाह कर रहा है। उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि कुछ ठग उसके नाम और लोगो का गलत इस्तेमाल करके लोगों को फंसा रहे हैं। ये ठग सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर झूठे विज्ञापन दिखाते हैं, जिनमें कहा जाता है कि एसबीआई की तरफ से शेयर मार्केट टिप्स या निवेश सलाह दी जा रही है।

ऐसे होती है धोखाधड़ी

इन ठगों का तरीका साफ है। वे एसबीआई के नाम और लोगो वाली फेक प्रोफाइल्स बनाते हैं। विज्ञापनों में असंभव रिटर्न का झूठा वादा करते हैं, जैसे, सिर्फ 7 दिन में पैसा दोगुना कर देंगे। लोगों को व्हाट्सऐप ग्रुप ज्वाइन करने के लिए कहते हैं, जहां मुफ्त शेयर टिप्स दिए जाने का दावा करते हैं। एसबीआई ने क्या कहा- हम किसी को शेयर टिप्स नहीं देते, न ही ऐसी कोई स्कीम चलाते हैं जो गैर-जिम्मेदाराना रिटर्न का वादा करे। न ही हम किसी को ऐसा करने की इजाजत देते हैं।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा अनिल अंबानी का शेयर

- एक हफ्ते में आ चुकी है 18 प्रतिशत उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 8 प्रतिशत तक बढ़ गए। बीएसई पर यह 62.80 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल में कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। मजबूत ट्रेडिंग और एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में यह स्टॉक 17 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक महीने में इसमें लगभग 52 प्रतिशत तेजी आई है। सोमवार को इसमें ट्रेडिंग बहुत ज्यादा हुई।

1,654.71 लाख शेयरों का कारोबार हुआ जिसकी वैल्यू 996.13 करोड़ रुपये की थी। इससे पता चलता है कि निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। पिछले छह महीनों में स्टॉक 56.8 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले एक साल में यह 147 प्रतिशत बढ़ा है। शुक्रवार को इसके शेयरों में लगभग 16 प्रतिशत की तेजी आई थी। इसे भारी वॉल्यूम का भी समर्थन मिला। रिलायंस पावर को हाल ही में एक प्रोजेक्ट मिला है। 28 मई को कंपनी ने इसका ऐलान किया था।

क्या है प्रोजेक्ट

रिलायंस न्यू एनर्जीज को एसजेवीएन से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड (मिला है। एसजेवीएन एक नवरत्न पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग है। यह प्रोजेक्ट 350 एमडब्ल्यू का इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इसमें 175 एमडब्ल्यू/700 एमडब्ल्यूएच की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी शामिल है। रिलायंस न्यू एनर्जीज ने पहले ही नीलामी में सफलता हासिल कर ली थी। यह प्रोजेक्ट 25 साल के लिए 3.33 रुपये/केडब्ल्यूएच के फिक्स्ड टैरिफ पर मिला है। कंपनी के फाइनेंसियल की बात करें तो जनवरी-मार्च तिमाही में रिलायंस पावर को 126 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 397.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी को इस बार फायदा हुआ है क्योंकि कंपनी का खर्चा कम हो गया है। खर्चा 2,615.15 करोड़ रुपये से घटकर 1,998.49 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि इस दौरान कंपनी की कमाई थोड़ी कम होकर 2,066 करोड़ रुपये हो गई है।

किसकी कितनी हिस्सेदारी

पूरे साल की बात करें तो कंपनी को 2,947.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 2,068.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। रिलायंस पावर ने पिछले 12 महीनों में 5,338 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। इसमें मैच्योरिटी रीपेमेंट भी शामिल है। इससे कंपनी का डेट-टू-इक्विटी रेशियो एफवाय24 में 1.61:1 से घटकर एफवाय25 में 0.88:1 हो गया है। टेक्निकल चार्ट्स को देखें तो रिलायंस पावर के शेयर अभी सभी प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 76.9 पर है। इससे पता चलता है कि स्टॉक ओवरबॉट टेरिटरी में है। इसका मतलब है कि शेयर की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई है और यह नीचे आ सकती है। 7 मई, 2025 तक प्रमोटरों के पास रिलायंस पावर के 24.98 प्रतिशत शेयर थे। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के पास 12.87 प्रतिशत, म्यूचुअल फंड के पास 0.37 प्रतिशत और अन्य इंस्टीट्यूशंस के पास 16.1 प्रतिशत शेयर थे।

आईपीओ हो तो ऐसा, 2 साल में 1178 प्रतिशत का मोटा रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी निवेशक जब किसी कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाता है तो उसकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा रिटर्न पाने की होती है। आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन उन्हीं कुछ कंपनियों में से एक है जिन्होंने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है। महज 2 साल में इस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 1178.36 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस कंपनी का आईपीओ मार्च 2023 में आया था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। बता दें, अब यह स्टॉक 500 रुपये के लेवल को क्रॉस कर चुका है। बीएसई में 2 जून को कंपनी के शेयर 513.95 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में यह स्टॉक 515.95 रुपये (2.49 मिनट तक के डाटा के अनुसार) तक पहुंच गया।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है?

आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन शेयर प्राइस का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) वित्त वर्ष 2024-25 में 3.20 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 1.90 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का प्रति शेयर कमाई 5.23 रुपये रहा है। बता दें, इस कंपनी का ऑर्डर बुक 52 करोड़ रुपये का है। जिसे 8 महीने से 36 महीने में पूरा करना है।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा?

स्टॉक मार्केट में जहां एक तरफ बीते एक साल के दौरान काफी उतार और चढ़ाव देखने को मिला है तो वहीं इस स्टॉक ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 874 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन का 52 वीक हाई 767 रुपये और 52 वीक लो लेवल 49.22 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 263.36 करोड़ रुपये का है। मार्च 2025 की शेयरहोल्डिंग के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 59.54 प्रतिशत है। वहीं, पब्लिक के पास 40.46 प्रतिशत हिस्सा है। इससे पहले दिसंबर तिमाही में प्रमोटर्स के पास 59.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि पब्लिक के पास 40.64 प्रतिशत हिस्सा था।

ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार राहत की उम्मीद

कम हो सकती है ईएमआई, सस्ते होंगे लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर आम लोगों को बड़ी राहत दे सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, खुदरा महंगाई लगातार तीन माह से चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। इससे उम्मीद बनी है कि रेपो रेट में एक बार फिर 0.25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो ब्याज दरों में इस साल अब तक .75 फीसदी की कटौती होगी। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार जून को अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी और छह जून (शुक्रवार) को फैसले की घोषणा करेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने भी अपनी अप्रैल की नीति में रुख को तटस्थ से बदलकर उदार करने का फैसला लिया था, इससे भी कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई के आंकड़े जरूरी

गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के आधार पर आरबीआई रेपो दर में कटौती अथवा बढ़ोतरी का फैसला लेता है। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाए रखने का दायित्व सौंपा है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई, जो आरबीआई के संतोषजनक दायरे में है। इस कमी के सबसे बड़ा कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है।

बैंकों ने दरें घटानी शुरू की

इससे पहले आरबीआई फरवरी और अप्रैल की समीक्षा बैठक में दो किस्तों में प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.50 प्रतिशत की कटौती कर चुका है, जिससे यह छह प्रतिशत पर आ गई है। इसके बाद अधिकांश बैंकों ने अपनी रेपो से संबद्ध बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दरों (ईबीएलआर) और कोष-आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) को कम कर दिया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के बड़े हिस्से के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत तक रहने के अनुमान के साथ, एमपीसी द्वारा मौद्रिक ढील जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती की उम्मीद है। इसके बाद दो नीति समीक्षाओं में दो और कटौती की जाएगी, जिससे चक्र के अंत तक रेपो दर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी।

तय समय से पहले ही भारत-यूरोप के बीच हो सकता है मुक्त व्यापार समझौता

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई है कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच होने जा रहा मुक्त व्यापार समझौता तय समय से पहले हो सकता है। इस साल के अंत तक भारत और यूरोप के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने की समयसीमा तय की गई है। गोयल ने बताया कि बातचीत की प्रक्रिया तय समय से पहले चल रही है और जल्द ही उन्हें समझौते की उम्मीद है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रक्रिया तेजी से जारी- पीयूष गोयल ने ये भी कहा कि भारत और यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्थाओं के बीच मतभेद कम हैं, जिसकी वजह से मुक्त व्यापार समझौते की प्रक्रिया में तेजी से प्रगति हो रही है। गोयल ने कहा कि हमारे बीच मतभेद कम हैं। हमारी अर्थव्यवस्थाएं एक दूसरे का समर्थन करती हैं। अधिकतर मामलों में भारत के हित, यूरोपीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं करते और उसी तरह यूरोप के सामान से हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में मदद ही मिलेगी।

कुछ संवेदनशील मुद्दों पर सावधानी से हो रही बात

हालांकि उन्होंने ये भी माना कि कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर पूरी सावधानी और संतुलन के साथ दोनों पक्षों में बातचीत जारी है। गोयल ने कहा कि बेशक किसी भी व्यापारिक रिश्ते में, कुछ संवेदनशील मुद्दे होते हैं दोनों तरफ से और उन्हें हमें एक दूसरे के हित ध्यान में रखते हुए सुलझाना होगा। गोयल ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते में बाजार को ज्यादा उदार बनाने और दोनों देशों के फायदे पर फोकस किया जा रहा है।

इंडिगो और एयर इंडिया से कर रही बात

भारत में संभावनाएं तलाश रही विमान बनाने वाली कंपनी एंबरेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एंबरेयर का फोकस अब भारत पर है। एंबरेयर ने कहा है कि उन्हें भारत के विशाल बाजार में कमर्शियल, बिजनेस और सैन्य विमानों के लिए बड़ा बाजार दिखाई दे रहा है। कंपनी के सीईओ फ्रैंकोइस गोम्स नेटो इन दिनों भारत दौरे पर हैं। नई दिल्ली में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक में शामिल होने आए नेटो ने कहा कि उनकी कंपनी विमानों की खरीद के लिए भारतीय एयरलाइंस जैसे इंडिगो और एयर इंडिया के साथ बातचीत कर रही है।

भारत में पैर जमाना चाहती है एंबरेयर- भारत में संभावनाओं को देखते हुए एंबरेयर ने नई दिल्ली में अपना कॉरपोरेट ऑफिस भी खोला है। एंबरेयर अपने ई-2 विमानों को भारत में बेचने की कोशिश कर रही है, जो 146 सीटों वाला विमान है। नेटो ने बताया कि एंबरेयर ने भारत में विमानों के बाजार को देखते हुए एक अधिग्रहण टीम नियुक्त की है। साथ ही कंपनी ने सरकार से संपर्क के लिए, संचार, इंजीनियरिंग, सेल्स और मार्केटिंग के लिए भी टीमें नियुक्त कर दी हैं। अभी भी भारत में एंबरेयर के 50 से ज्यादा विमान भारत में संचालित हो रहे हैं। ये विमान कमर्शियल, बिजनेस वर्ग के साथ ही रक्षा क्षेत्र में भी संचालित हैं। क्षेत्रीय विमानन कंपनी स्टार एयर के पास एंबरेयर विमान हैं। नेटो ने बताया कि उनकी कंपनी भारत में ही मेंटिनेंस के लिए अपना केंद्र स्थापित करने पर भी विचार कर रही है, लेकिन ये विमानों की बिक्री पर निर्भर करेगा।

भारत के रक्षा क्षेत्र में एंबरेयर की अच्छी-खासी उपस्थिति- बीते साल ही एंबरेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटीज ने भारतीय कंपनी महिंद्रा डिफेंस सिस्टम के साथ समझौता किया है। दोनों कंपनियां मिलकर भारतीय सुरक्षा बलों के लिए मीडिया ट्रांसपोर्ट विमान बनाने की योजना पर काम कर रही हैं। अभी भी भारतीय सशस्त्र बलों में एंबरेयर के 600 लेगेसी विमान इस्तेमाल हो रहे हैं। जो भारतीय वायुसेना, बीएसएफ द्वारा सरकारी अधिकारियों और वीआईपी लोगों की यात्राओं में इस्तेमाल होते हैं।

अभी एंबरेयर के लिए सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है और साल 2024 में अमेरिका से ही कंपनी को सबसे ज्यादा राजस्व मिला था। हालांकि ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति से कंपनी की मुश्किलें बढ़ेंगी। वहीं नागरिक उड्डयन के मामले में अब भारत दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। यही वजह है कि एविएशन सेक्टर की दिग्गज कंपनियां अब भारत का रुख कर रही हैं।

एबीएस मरीन सर्विसेज़ ने एफवाय25 की दूसरी छमाही में 178 प्रतिशत मुनाफे की उड़ान भरी!

मुंबई। एबीएस मरीन सर्विसेज लिमिटेड जो जहाज प्रबंधन, पोत स्वामित्व, समुद्री और बंदरगाह सेवाओं में व्यापक सेवाएं प्रदान करने वाली प्रमुख समुद्री कंपनियों में से एक है, ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही (एच2 एफवाय25) और पूरे वित्त वर्ष (एफवाय25) के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एबीएस मरीन सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कैप्टन पी.बी. नारायणन ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 एबीएस मरीन सर्विसेज के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

गणपति घाट की नई सड़क के ओवर ब्रिज से 50 फीट नीचे गिरा ट्राला, ड्राइवर और कंडक्टर की मौत

धार । राऊ -खलघाट फोरलेन के गणपति घाट की नई सड़क पर देर रात को एक सड़क हादसा हो गया। नई सड़क के ओवर ब्रिज के मोड़ पर ट्राला अनियंत्रित होकर करीब 50 फीट नीचे जा गिरा। हादसे में ट्राले में सवार ड्राइवर और कंडक्टर की दबने से मौके पर ही मौत हो गई। दोनों को एंबुलेंस की मदद से धामनोद अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर घटना स्थल पर काकड़ादा पुलिस पहुंची। जानकारी अनुसार इंदौर की ओर से आकर धामनोद की तरफ जा रहा ट्राला क्रमांक एमपी 09 एचजी 0954 गणपति घाट के नई सड़क के ग्राम बाकानेर में ब्रिज के मोड़ पर अनियंत्रित होकर करीब 50 फिट ब्रिज के निचे जा गिरा। हादसें में ट्राले में सवार ड्राइवर और कंडक्टर की दबने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी लगते ही काकड़दा चौकी प्रभारी मिथुन चौहान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ड्राइवर और कंडक्टर को 108 एम्बुलेंस कि मदद से उपचार के लिए धामनोद अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ट्राला गेहूं से भरा हुआ था। हादसें में ट्राला बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हे।

बुरहानपुर के माजिद हुसैन ने एमपी में किया टॉप, देश में तीसरा स्थान

बुरहानपुर । जेईई एडवांस्ड 2025 का रिजल्ट सोमवार सुबह जारी हो गया है। जिसमें मैक्रो विजन एकेडमी बुरहानपुर के माजिद मुजाहिद हुसैन ने मध्य प्रदेश में टॉप किया है। उन्होंने एआईआर (ऑल इंडिया रैंक) 3 हासिल की है। उनसे पहले दोनों कैंडिडेट कोटा (राजस्थान) से हैं। जिसमें पहले स्थान पर राजित गुप्ता और दूसरे स्थान पर सक्षम जिंदल हैं। इस सफलता पर माजिद मुजाहिद हुसैन के पिता ने बताया कि यह बच्चे की कड़ी मेहनत का नतीजा है। हमें अपने बेटे पर गर्व है। आज उसका स्कूल में सम्मान हो रहा है। बच्चे के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में आना एक अलग ही अनुभव है। वहीं, माजिद ने कहा कि सफल होना है, तो खुद पर भरोसा जरूरी है। ऐसा होने पर आप ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। साथ ही, मानसिक तनाव से दूर रहते हैं। इससे पहले माजिद ने जेईई मेंस मैं भी ऑल इंडिया रैंक हासिल की थी।

वक्फ प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन के लिए नई वेबसाइट शुरू करेगी केंद्र सरकार, राज्य सरकारों से चर्चा भी जल्द

नईदिल्ली, एजेंसी। वक्फ संशोधन कानून पर मचे बवाल के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। इस बीच केंद्र सरकार इस कानून के क्रियान्वयन को लेकर तैयारियों में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक केंद्र की भाजपा सरकार इस सप्ताह वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए एक नई वेबसाइट शुरू करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार वक्फ के संचालन के नियमों को लेकर जल्दी ही राज्यों के साथ विचार-विमर्श करने की योजना भी बना रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नई वेबसाइट पर देश भर की वक्फ संपत्तियों का पूरा ब्योरा होगा, जिसमें उनके मुतवल्लियों की संपत्ति भी शामिल होगी। वहीं केंद्र सरकार वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के लिए नियम बनाने के लिए राज्य सरकारों से भी चर्चा करेगी। बता दें कि कानून के तहत राज्य स्तरीय वक्फ बोर्ड राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में होंगे और उनमें राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व भी होगा। राज्यों से सलाह और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों और वक्फ बोर्ड के लिए नियमों को अधिसूचित कर सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने बीते अप्रैल माह में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था, जिसके बाद 5 अप्रैल को इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिली थी। हालांकि इसके बाद कुछ मुस्लिम संगठनों और कुछ सांसदों ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

गुरुग्राम में भी एक ट्रैक पर दौड़ेंगी नमो भारत-मेट्रो

दिल्ली से राजस्थान का सफर होगा आसान

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली के सराय रोहिल्ला से गुरुग्राम होते हुए राजस्थान के नीमराना तक नमो भारत ट्रेन को मेरठ की तर्ज पर चलाया जाएगा। भविष्य में नमो भारत ट्रेन के ट्रैक पर मेट्रो भी चलाई जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस रूट की संशोधित डीपीआर को मंजूरी देने के बाद बैठक में यह आदेश दिए कि नमो भारत के ट्रैक इस तरह तैयार किए जानें जिन पर भविष्य में मेट्रो भी चलाई जा सके। मई के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें हरियाणा सरकार के कई विभागों के अधिकारियों के अलावा एनसीआरटीसी के अधिकारी मौजूद थे। इसमें मुख्यमंत्री के आदेश को हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (एचएमआरटीसी) ने एक पत्र के माध्यम से जारी किया है। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा है कि मेरठ में निर्मित नमो भारत ट्रेन के ट्रैक की तर्ज पर दिल्ली से हरियाणा होते हुए राजस्थान तक का ट्रैक तैयार किया जाए। भविष्य में यदि इस रूट पर मेट्रो चलाने की योजना है तो दूसरा ट्रैक तैयार नहीं करना पड़े। इस ट्रैक पर मेट्रो को भी चलाया जा सके। स्टेशन का डिजाइन भी कुछ इस तर्ज पर तैयार किया जाए।

पत्र के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा है कि नमो भारत ट्रेन के तहत डिपो को राजस्थान में तैयार किया जाना चाहिए। इसके लिए 70 हेक्टेयर जमीन राजस्थान सरकार से ली जानी चाहिए, क्योंकि भविष्य में नमो भारत ट्रेन को जयपुर या अलवर तक ले जाने की योजना

बन सकती है। इसलिए इसको ध्यान में रखना चाहिए। पत्र के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार, एनसीआरटीसी को डिपो तैयार करने के लिए 40 हेक्टेयर जमीन देने पर विचार करेगी। इसमें शर्त यह रहेगी कि जमीन हरियाणा सरकार के नाम पर रहेगी। बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर एनसीआरटीसी की तरफ से डिपो चलाया जाए। इसके ऊपर व्यावसायिक गतिविधियां हरियाणा सरकार की तरफ से की जाएंगी।

पत्र के अनुसार, हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम-फरीदाबाद और नोएडा को जोड़ने के लिए एनसीआरटीसी की तरफ से तैयार रूट को मंजूरी दी है। इसमें सिफारिश की गई है कि योजना के तहत नमो भारत ट्रेन का डिपो उत्तरप्रदेश में तैयार किया जाए।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने आरआरटीएस कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने के प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मेरठ आरआरटीएस सिस्टम में उन इलाकों में मेट्रो चलाई जा रही हैं, जहां आबादी घनी है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि आरआरटीएस कॉरिडोर में मेट्रो चलाई जा रही है, क्योंकि इसके लिए अलग कॉरिडोर की जरूरत नहीं है। मेट्रो स्टेशन कम दूरी पर है। घनी आबादी वाले कॉरिडोर में एक ही कॉरिडोर पर मेट्रो चलाना संभव है।

न एसी में रहेंगे, ना कार से चलेंगे; भीषण गर्मी में मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने फिर लिए 2 नए प्रण

ग्वालियर, एजेंसी। मध्य प्रदेश की ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर हर बार अपने अलग अंदाज और अजीबो गरीब संकल्पों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इस बार भीषण गर्मी के बीच उन्होंने फिर से दो ऐसे संकल्प लिए हैं जो खूब चर्चा में हैं। मंत्री तोमर ने संकल्प लिया है कि वह पूरे जून के महीने एसी में नहीं सोएंगे और दूसरा अपनी लग्जरी गाड़ी छोड़ दोपहिया वाहन पर घूमेंगे। इसी कड़ी में वह रविवार रात अपने घर के बाहर टेंट लगाकर पंखे में सोए। इससे पहले उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ भजन भी किया।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री का कहना है कि एक एसी चलने से कई यूनिट बिजली जलती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकलता है, जो हमारी प्रकृति और पर्यावरण के लिए अच्छा नहीं है। इसलिए वह घर के सामने खुले पार्क में पंखा लगाकर सोए। इसके साथ ही मंत्री जी ने दूसरा संकल्प यह लिया है कि वह अब एक महीनेभर टू-व्हीलर पर ही चलेंगे और लोगों से जनसंपर्क करेंगे।

पहले ये संकल्प रहे चर्चा में: आपको बता दें कि, इससे पहले मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर कई ऐसे संकल्प ले

चुके हैं जिन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी और विपक्ष ने खूब उन्हें नौटंकीबाज भी बोला। इससे पहले उन्होंने शहर की सड़कों की खराब हालत को देखते हुए चप्पल पहननी छोड़ दी थी। हालांकि, सिंधिया ने खुद अपने हाथों से चप्पल पहनाकर यह प्रण तुड़वाया था। उसके बाद उन्होंने ऐलान किया कि लोग कार, बाइक से सब्जी मंडी जाते हैं, बेवजह पेट्रोल खर्च होता है इसलिए मैं खुद साइकिल से सब्जी मंडी जाऊंगा। उन्होंने एक संकल्प यह भी लिया था कि वह बिना प्रेस किए हुए कपड़े पहनेंगे, इससे बिजली की बचत होगी। इसके बाद अभी उन्होंने यह संकल्प लिया है कि जून के महीने में एसी वाले कमरे में नहीं सोएंगे। वहीं जून के महीने में बाइक से चलने का भी संकल्प लिया है। इसके अलावा उन्होंने यह भी संकल्प लिया है कि मटकी का पानी पीएंगे। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें भी है। उन्होंने कहा है कि अगर किसी बड़े नेता मिलने जाना है या कोई बाहर कार्यक्रम है तो वह गाड़ी का उपयोग कर सकते हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर द्वारा ऐसे संकल्प लेने के पीछे की वजह और इनसे जनता को क्या फायदा होगा? इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोग इन चीजों को समझ रहे हैं कि बिजली कैसे बचाई जा सकती है।

सुकमा में दो हार्डकोर समेत 16 माओवादियों ने किया सरेंडर, 6 पर था 25 लाख का इनाम

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई गई आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर सुकमा में पीएलजीए बटालियन के 2 हार्डकोर माओवादियों समेत 16 माओवादियों ने सरेंडर किया है। इनमें एक महिला और पुरुष माओवादी पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसके साथ ही 6 नक्सलियों पर कुल 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

सरेंडर करने वाले माओवादी छत्तीसगढ़ के कई जिलों में हुई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। आत्म समर्पण नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर इन्होंने सरेंडर किया है। एसपी किरण चव्हाण, एएसपी उमेश गुप्ता और सीआरपीएफ व पुलिस अधिकारियों के सामने इन्होंने हथियार डाल दिए।

कोंडागांव- बस्तर संभाग के कोंडागांव जिले के भोंगापाल में छठवीं शताब्दी के बौद्ध चैत्य गृह में आयोजित महोत्सव में

रविवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह सम्मिलित हुए। बुद्ध जयंती पर भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माओवाद के खात्मे के बाद बस्तर में शांति का स्थान भोंगापाल बनेगा। यहां बुद्ध शांति पार्क विकसित कर यहां प्राकृतिक चिकित्सा, अत्याधात्मिक साधना के साथ शोध कार्य प्रारंभ किए जाएंगे।

बोधगया से पधारे बौद्ध साधुवृन्द भंते अश्वजीत महाथेरा, भंते ज्ञानवंश थेरो, भंते शीलवंश थेरो, भंते प्रमोद एवं भंते डीन वियतनाम द्वारा बुद्धम शरणं गच्छामी मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना करवाया गया।

विधायक केशकाल नीलकंठ टेकाम ने कहा कि भोंगापाल को विकसित करने का प्रयास सरकार की ओर से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आइजी सुंदरराज पी., कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना, एसपी वाय अक्षय कुमार व बौद्ध धर्म के अनुयायी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के मुख्य आरोपी बिजनेसमैन विजय भाटिया गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले के मुख्य आरोपी बिजनेसमैन विजय भाटिया को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को उन्हें रायपुर में कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। भाटिया पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में नई दिल्ली में कारोबारी विजय भाटिया को गिरफ्तार किया। रविवार को उन्हें रायपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एसीबी/ईओडब्ल्यू की एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। एसीबी/ईओडब्ल्यू के बयान के अनुसार घोटाले के मुख्य आरोपी भाटिया ने छत्तीसगढ़ में विदेशी शराब निर्माण कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं से बड़े पैमाने पर कमीशन लेकर कथित रूप से उन्हें अवैध लाभ पहुंचाया, जिससे सरकार को राजस्व की भारी हानि हुई।

इंग्लिश चैनल पार कर एक दिन में 1,100 से ज्यादा प्रवासी ब्रिटेन पहुंचे, साल का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार ने रविवार को एक आकड़ा जारी कर बताया कि बीते शनिवार को लगभग 1,194 प्रवासी छोटी नावों के जरिए फ्रांस से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे। यह संख्या इस साल एक दिन में आने वाले प्रवासियों की सबसे ज्यादा है। ब्रिटिश सरकार के अनुसार जब मैसम शांत था तब इन सभी प्रवासियों ने कुल18 नावों की मदद से यात्रा की।

बता दें कि इस साल अब तक 14,811 लोग इस रास्ते से यूके पहुंच चुके हैं, जो पिछले साल इसी समय की तुलना में 42 प्रतिशत ज्यादा है। एक तरफ से देखा जाए तो प्रवासियों की बढ़ोतरी प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की लेबर सरकार पर दबाव बढ़ा रही है, जो लगभग एक साल पहले सत्ता में आई थी। सरकार ने पिछली कंजरवेटिव सरकार की रवांडा योजना को खत्म कर दिया है, जिसके तहत अवैध रूप से

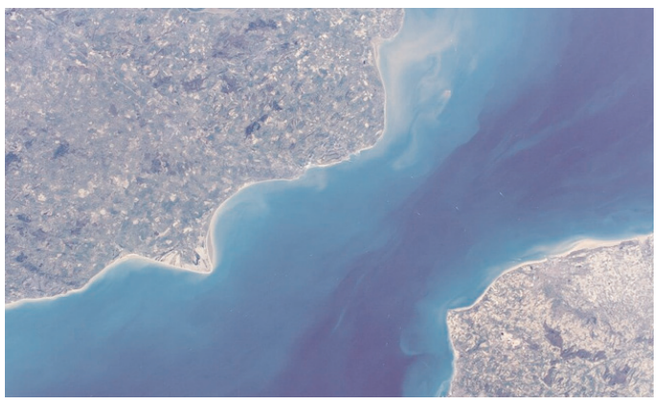

आए प्रवासियों को रवांडा भेजने का प्रस्ताव था। ब्रिटेन में प्रवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा है कि सरकार प्रवासी तस्करी करने वाले गैंग्स और उनके धंधे को खत्म कर इस समस्या पर काबू पाएगी। इसके लिए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंटेलिजेंस साझा करने, उत्तरी फ्रांस में सख्त निगरानी और नई कड़ी इमिग्रेशन नीतियों को लागू किया है।

शनिवार को फ्रांस के ग्रावलीन इलाके में पुलिस को समुद्र तट पर प्रवासियों को नावों में चढ़ते हुए देखा गया। फ्रांसीसी अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 184 लोगों को बचाया। वहीं ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने एक न्यूज चैनल से कहा कि कल जो दृश्य थे, वो वाकई चौंकाने वाले थे। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी पुलिस उथले पानी में नावों को रोकने में असमर्थ है, जो एक बड़ी समस्या है। उन्होंने ये भी कहा कि यूके सरकार फ्रांस पर दबाव बना रही है कि वे नए नियम लागू करें ताकि तस्करों को वहीं रोका जा सके। हालांकि दोनों देशों की कोशिशों के बावजूद इंग्लिश चैनल दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक बना हुआ है और यह अब भी संघर्ष या गरीबी से भागे लोगों के लिए एक प्रमुख तस्करी मार्ग है। प्रवासी अक्सर यूके को भाषा, परिवार या शरण लेने और काम की बेहतर संभावनाओं के कारण पसंद करते है। वहीं होम ऑफिस के अनुसार, 2024 में अब तक 36,816 लोग छोटी नावों से यूके पहुंचे हैं, जो 2023 (29,437) की तुलना में 25 प्रतिशत ज्यादा है।

कनाडा में जंगल की आग का कहर, 25,000 से अधिक लोग सुरक्षित जगहों पर भेजे गए; सूखा मौसम बना चुनौती

फ्लिन फ्लोन , एजेंसी। कनाडा के तीन प्रांत मैनिटोबा, अल्बर्टा और सस्केचेवान में जंगल की भीषण आग ने तबाही मचा दी है। फलस्वरूप रविवार तक 25,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा चुका है। वहीं मैनिटोबा ने आपातकाल की घोषणा कर दी है और वहां से 17,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। अल्बर्टा से 1,300 और सस्केचेवान से करीब 8,000 लोगों को सुरक्षित किया गया है। दूसरी ओर धुएं की वजह से कनाडा और अमेरिका के कुछ हिस्सों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है। अमेरिका के नॉर्थ डकोटा, मोंटाना, मिनेसोटा और साउथ डकोटा में हवा खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

जंगलों से फैली आग ने अब अपना भयंकर रूप ले लिया है। इसको लेकर सस्केचेवान के मुख्यमंत्री स्कॉट मोए ने कहा कि लगातार गर्म और सूखा मौसम आग को और फैलने का मौका दे रहा है। उन्होंने कहा कि अगले चार से सात दिन बेहद अहम हैं, जब तक बारिश न हो जाए।

मैनिटोबा के फ्लिन फ्लॉन कस्बे से 5,000 से ज्यादा लोग निकाले गए हैं। पास के क्रैनबेरी पोर्टेज में बिजली चली गई और 600 लोगों को अनिवार्य रूप से निकालना पड़ा। देखा जाए तो आग पास के सस्केचेवान क्षेत्र से शुरू हुई थी और जल्द ही मैनिटोबा तक फैल गई। वहीं धुएं के कारण वाटर बंबर्स (जल फेंकने वाले विमान) उड़ नहीं पा रहे हैं और एक ड्रोन के कारण बचाव अभियान भी बाधित हुआ है। हालांकि अमेरिका ने 150 दमकलकर्मी और एक एयर टैंकर कनाडा भेजने का वादा किया है।

दुनिया पर कब्जे को चीन ने खेला बड़ा दाव, पाकिस्तान समेत 33 देश हुए शामिल

बीजिंग एजेंसी। चीन ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के समानांतर एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच स्थापित कर दुनिया को चौंका दिया है। इस मंच का नाम है आईओएमइडीजिसका उद्देश्य वैश्विक विवादों को बातचीत और मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाना बताया जा रहा है। इस नई पहल के पीछे चीन की वैश्विक सत्ता संतुलन को बदलने और वैश्विक शासन में अपनी भूमिका को मजबूत करने की रणनीति मानी जा रही है।

हांगकांग में आयोजित आईओएमइडी स्थापना सम्मेलन में एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका के 85 देशों और लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के करीब 400 वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान 33 देशों ने औपचारिक रूप से समझौते पर हस्ताक्षर कर संस्थापक सदस्य का दर्जा हासिल किया। इनमें पाकिस्तान, इंडोनेशिया, लाओस, कंबोडिया और बेलारूस जैसे देश शामिल हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग यी जो कि सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं, ने कहा कि आईओएमइडी का गठन अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

फिलिस्तीन को आजाद करो, नारे लगाते हुए भीड़ पर फेंका बम; अमेरिका में बड़ा हमला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक शख्स ने यहूदी कार्यक्रम के दौरान हमला कर दिया। मोलोटोव कॉकटेल (ज्वलनशील पदार्थ से भरी बोतल) से हुए इस अटैक में करीब 6 लोग जल गए हैं। खबर है कि हमलावर इस दौरान फ्री पेलेस्टीन जैसे नारे लगा रहा था। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एफबीआई यानी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने इसे आतंकी घटना करार दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलोराडो के बोल्डर में इजरायली बंधकों की याद में एक समूह इकट्ठा हुआ था। उस दौरान एक शख्स ने भीड़ पर मोलोटोव कॉकटेल्स फेंक दिए। साथ ही फ्लेमथ्रोअर से भी हमला किया। हमलावर की पहचान मोहम्मद साबरी सुलेमान के तौर पर हुई है। खबर है कि हमलावर भीड़

पर हमला करने के दौरान फिलिस्तीन को आजाद करो के नारे लगा रहा था।

बोल्डर पुलिस प्रमुख स्टीफन रेडफर्न ने बताया है कि एक शख्स के हथियार लिए घूमने और लोगों को जलाने की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। हमले में घायल हुए 6 लोगों में सभी की उम्र 67 से 88 के बीच है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि एक मरीज की हालत गंभीर है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। माना जा रहा है कि इस घटना को उसने अकेले ही अंजाम दिया है और मौके पर कोई और संदिग्ध नजर नहीं आया। खास बात है कि इस हमले में वह खुद भी घायल हो गया है और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह साफ नहीं हो सका है कि उसे कितनी चोटें आई हैं। एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर ने लिखा, शुरुआती जानकारी के आधार पर इस आतंकवादी घटना की जांच विचारधारा से प्रेरित हिंसा की घटना के तौर पर की जा रही है। तथ्य सामने आने पर हम इन घटनाओं पर स्पष्ट रूप से बात करेंगे। पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद साबरी सोलिमान के रूप में हुई है। सीएनएन ने बताया कि सोलिमान ने पहले अमेरिका में शरण के लिए आवेदन किया था। 2005 में सोलिमान को अमेरिका में घुसने के लिए वीजा देने से मना कर दिया गया था। हालांकि, वह अमेरिका कब और कैसे आया, यह अभी तक साफ नहीं है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने शुरुआती जानकारी के आधार पर इसे आतंकी हमला बताया है। एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉन्जिनो ने कहा, ये हमला शुरुआती जानकारी के आधार पर वैचारिक नफरत से प्रेरित आतंकवादी घटना लगती है। जब सबूत साफ होंगे, तो हम पूरी जानकारी देंगे। बोल्डर के पुलिस प्रमुख स्टीव रेडफर्न ने कहा कि हमला शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हुआ और पीड़ितों की चोटें दिखाती हैं कि उन्हें जलाने की कोशिश की।

टेस्ट के बाद वनडे और टी20 को भी हेनरिक क्लासेन ने कहा अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला लेकर सभी को चौंका दिया। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर अपने निर्णय की घोषणा की। उन्होंने

बताया कि वह अपने परिवार पर ध्यान देना चाहते हैं। बता दें कि, क्लासेन ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने वनडे और टी20 को भी अलविदा कह दिया है।

सोशल मीडिया पर लिखी दिल की बात- दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा- यह मेरे लिए दुखद दिन है क्योंकि मैं घोषणा करता हूं कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने का फैसला किया है। मुझे यह तय करने में बहुत समय लगा कि मेरे और मेरे परिवार के भविष्य के लिए क्या सबसे अच्छा है। यह वाकई बहुत कठिन फैसला था लेकिन मैं इस फैसले से पूरी तरह से संतुष्ट हूं।

क्लासेन का अंतरराष्ट्रीय करियर- हेनरिक क्लासेन ने तीनों प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व किया। उन्होंने चार टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इनमें उन्होंने क्रमशः 104, 2141 और 1000 रन बनाए। क्लासेन को आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते देखा गया था। इस दौरान उन्होंने सिर्फ दो मुकाबले खेले और 67 रन बनाए।

जेम्स एंडरसन की 11 साल बाद धमाकेदार वापसी, टी20 क्रिकेट में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

चेस्टर-ले-स्ट्रीट (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने 11 साल बाद टी20 क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने डरहम में लंकाशायर के लिए डरहम के खिलाफ टी20 ब्लास्ट मैच के दौरान इस प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 42 वर्षीय इंग्लिश तेज गेंदबाज ने पिछले साल 704 टेस्ट विकेट और 991 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में उनके काउंटी में प्रदर्शन को सीमित कर दिया है। उन्होंने पिछले साल काउंटी चैम्पियनशिप में प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 7/35 का प्रदर्शन किया। 2015 में आखिरी बार वनडे और 2009 में टी20आई खेलने वाले एंडरसन पिछले साल अपने रिटायरमेंट तक टेस्ट पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे और उसके बाद उन्होंने इंग्लैंड की पुरुष टीम के गेंदबाजी सलाहकार का काम संभाला।

एंडरसन का कौशल-सेट हमेशा की तरह तीखा है क्योंकि उन्होंने 4.25 की इकॉनमी रेट से चार ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए, जो इस प्रारूप में उनके सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। उन्होंने ग्राहम क्लार्क (10), कप्तान एलेक्स लीज (16) और कॉलिन एकरमैन (18) को आउट करके डरहम को 7.1 ओवर में 3/46 पर ला खड़ा किया। जेम्स नीशम ने 25 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 40* रन बनाकर उन्हें 20 ओवर में 150/6 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा चार विकेट रहते किया गया। एंडरसन ने इससे पहले अगस्त 2014 में वारविकशायर के खिलाफ टी20 ब्लास्ट फाइनल में खेला था, लेकिन चार ओवर में 52 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाए थे और उनकी टीम चार रन से हार गई थी। उन्होंने कुल 45 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 30.34 की औसत से 44 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एंडरसन ने पिछले अगस्त में फाइनल वर्ड पॉडकास्ट से कहा था कि वह कुछ फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं।

आईपीएल श्रेयस तीन टीमों को फाइनल में ले जाने वाले पहले कप्तान

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले छह साल में श्रेयस तीन अलग-अलग टीमों के साथ तीन अलग फाइनल में पहुंचे हैं। वह तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान हैं।

पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंच गई है। उसने रविवार को आईपीएल क्वालिफायर-दो के मुकाबले में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत के साथ यह तय हो गया कि आईपीएल 2025 की चैंपियन कोई नई टीम बनेगी। आरसीबी और पंजाब दोनों ने ही इससे पहले कभी खिताब अपने नाम नहीं किया है। श्रेयस अय्यर ने शानदार कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस पर जीत दिलाई। श्रेयस ने 41 गेंद में पांच चौके और आठ छक्के की मदद से 87 रन की नाबाद पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

आईपीएल नॉकआउट में सबसे सफल रन चेज

लक्ष्य	टीम	खिलाफ	साल
204	PBKS	MI	2025
200	KKR	PBKS	2014
191	KKR	CSK	2012
189	GT	RR	2022
179	CSK	SRH	2018

श्रेयस का आईपीएल में जलवा- पिछले छह साल में श्रेयस तीन अलग-अलग टीमों के साथ तीन अलग फाइनल में पहुंचे हैं। वह तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान हैं। श्रेयस इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ साल 2020 में और कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2024 में आईपीएल फाइनल में पहुंच चुके हैं। उनकी कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल खिताब भी जीता था। अब वह इस साल पंजाब की टीम के साथ चैंपियन बनना चाहेंगे। श्रेयस को पंजाब ने मेगा ऑक्शन में 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

क्वालिफायर-1 में भी श्रेयस की पंजाब टीम और आरसीबी के बीच मुकाबला हुआ था। तब आरसीबी ने आसान जीत दर्ज की थी। पंजाब को आरसीबी ने 101 रन पर समेट दिया था। अब फिर से फाइनल में दोनों टीमें टकराएंगी। यह लीग के इतिहास में 12वीं बार है जब क्वालिफायर-एक और फाइनल में एक सी टीमें टकराएंगी।

क्वालिफायर-दो में मुंबई हारी- श्रेयस अय्यर की तूफानी पारी की मदद से पंजाब किंग्स ने दूसरे क्वालिफायर में रविवार को मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराया। अब तीन जून को फाइनल में पंजाब का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा और दोनों टीमों ने 18 साल में एक बार भी खिताब नहीं जीता है। पिछले साल अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने वाले श्रेयस ने दबाव के क्षणों में परिपक्व पारी खेलते हुए 11 साल में पहली बार पंजाब को फाइनल में पहुंचाया। मुंबई के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के सामने जीत के लिये 204 रन का लक्ष्य आसान नहीं था, लेकिन श्रेयस ने आक्रामक बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ी। पंजाब किंग्स ने पांच विकेट पर 207 रन बनाए और मैच जीत लिया। श्रेयस ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले बारिश के कारण मैच सवा दो घंटे विलंब से शुरू हुआ था।

कब-कब आईपीएल में क्वालिफायर-1 और फाइनल में एक सी टीमें टकराई

साल	टीमें (क्वालीफायर-1 और फ़ाइनल)	खिताब विजेता
2011	सीएसके बनाम आरसीबी-	सीएसके
2013	सीएसके बनाम मुंबई-	मुंबई
2014	केकेआर बनाम पीबीकेएस-	केकेआर
2015	मुंबई बनाम सीएसके-	मुंबई
2017	आरपीएस बनाम मुंबई-	मुंबई
2018	सीएसके बनाम एसआरएच-	सीएसके
2019	मुंबई बनाम सीएसके-	मुंबई
2020	मुंबई बनाम डीसी-	मुंबई
2022	जीटी बनाम आरआर-	जीटी
2023	सीएसके बनाम जीटी	सीएसके
2024	केकेआर बनाम एसआरएच-	केकेआर
2025	आरसीबी बनाम पीबीकेएस	

बीसीसीआई की नकल कर रहा पीसीबी!

क्रिकेट में अपनी छवि सुधारने के लिए पाकिस्तान ने घरेलू टूर्नामेंट खेलना अनिवार्य किया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को सभी केंद्रीय अनुबंधित और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं से मुक्त होने पर सत्र के दौरान कम से कम एक घरेलू टूर्नामेंट खेलना अनिवार्य कर दिया है। पीसीबी बीसीसीआई के नक्शेकदम पर चल रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि बीसीसीआई सचिव रहते हुए जय शाह ने पिछले साल भारत के सीनियर क्रिकेटरों के लिए घरेलू टूर्नामेंट खेलना अनिवार्य कर दिया था। तब बीसीसीआई ने कहा था कि यही राष्ट्रीय टीम में चयन का आधार होगा। अब पीसीबी ने भी बीसीसीआई की नकल करते हुए उसी नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया है। अब जय शाह आईसीसी अध्यक्ष हैं।

पीसीबी का मानना है कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता में सुधार का एकमात्र तरीका घरेलू ढांचे को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। बैठक की अध्यक्षता करने वाले पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि इससे घरेलू खिलाड़ियों और युवाओं को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, इससे घरेलू खिलाड़ियों को लंबे समय में फायदा होगा और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी तरह के मौके के लिए तैयार रहेंगे।

माइक हेसन भी बैठक में शामिल हुए

बैठक में पाकिस्तान के नए सीमित ओवर के कोच माइक हेसन, टी20 टीम के कप्तान सलमान अली आगा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मामलों के प्रमुख उस्मान वाहला और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक आकिब जावेद शामिल हुए। पीसीबी ने 2025-26 के लिए नए केंद्रीय अनुबंध जारी करने और 30 जुलाई की समय सीमा को पूरा करने का भी फैसला किया। पीसीबी इसमें पिछले दो वर्षों में चूक गया था।

चैंपियंस कप को रद्द किया गया

पीसीबी ने पिछले साल चैंपियंस कप के नाम से नई प्रथम श्रेणी, वनडे और टी20 प्रतियोगिताएं शुरू कीं और यहां तक कि सभी पांच टीमों के लिए भारी वेतन पर पांच मेंटर भी नियुक्त किए, लेकिन आने वाले घरेलू सत्र के लिए चैंपियंस कप को रद्द करने का फैसला किया। उस्मान वाहला ने अगले छह महीनों के लिए दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज और वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के दौरे सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की भी पुष्टि की।

मेजबान श्रीलंका के अनुरोध के बाद

एसीसी ने महिला एमर्जिंग एशिया कप स्थगित किया

दुबई (एजेंसी)। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मेजबान देश श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं के कारण छह जून से शुरू होने वाले महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट को सोमवार को स्थगित करने की घोषणा की। टूर्नामेंट को स्थगित करने का फैसला श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से प्राप्त पत्र पर विचार-विमर्श के बाद लिया गया जिन्होंने एसीसी प्रमुख मोहसिन रजा नकवी को इस टूर्नामेंट को स्थगित करने की मांग करते हुए पत्र लिखा था।

एसीसी ने एक बयान में कहा कि सिल्वा ने श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और इस क्षेत्र में चिकनगुनिया फैलने के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि महाद्वीपीय संस्था महिला क्रिकेट और क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के महत्व को समझती है।

उन्होंने कहा, एसीसी युवा महिला क्रिकेटरों को कौशल को बढ़ाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के मौके प्रदान करने के लिए

प्रतिबद्ध है। हम एशिया में महिला क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में इस टूर्नामेंट के रणनीतिक महत्व को समझते हैं और जल्द से जल्द इस टूर्नामेंट को फिर से आयोजित करने के लिए लगन से काम करेंगे।

नकवी ने कहा कि एसीसी समय आने पर टूर्नामेंट की नयी तारीखों की घोषणा करेगा। एसीसी के करीबी एक विश्वसनीय सूत्र ने यह भी कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच हाल में सीमा पर तनाव के कारण सितंबर में पुरुषों के एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर गंभीर संदेह है। सूत्र ने कहा, मुझे नहीं लगता कि एशिया कप होगा क्योंकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने के साथ पाकिस्तान टीम को आमंत्रित करने के लिए अपनी सरकार से मंजूरी लेना मुश्किल होगा।

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास अब पूरा ध्यान टी20 विश्व कप पर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोमवार को वनडे से संन्यास ले लिया। उन्होंने कहा कि वह 'स्वार्थी कारणों से नहीं खेलना चाहते' क्योंकि उनका शरीर संघर्ष कर रहा है।

36 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज और अक्सर कमतर आंके जाने वाले ऑफ स्पिन गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले हैं जिसमें कई लोगों द्वारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी मानी जाती है। मैक्सवेल 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले थे, जब उनकी टीम 7-91 के स्कोर पर लड़खड़ा रही थी। उच्च दबाव की स्थिति में और भीषण गर्मी में गंभीर ऐंठन से जूझते हुए उन्होंने हार के मुंह से जीत छीनने के लिए सिर्फ 128 गेंदों पर 201 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में पसंदीदा भारत को हराकर विश्व कप जीता।

उन्होंने फाइनल वर्ड पॉडकास्ट से कहा, मुझे लगा कि मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हूं क्योंकि शरीर परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया कर

रहा है। मैंने (चयनकर्ताओं के अध्यक्ष) जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उनसे पूछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं। हमने 2027 विश्व कप के बारे में बात की और मैंने उनसे कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा, अब समय आ गया है कि मेरी स्थिति में लोगों के लिए योजना बनाई जाए ताकि वे इस स्थिति को अपना बना सकें।

मैक्सवेल हाल ही में पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल में खेले थे, जो उंगली में चोट के कारण बीच में ही वापस लौट गए थे। विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अगर मुझे लगता है कि मैं अभी भी खेलने के लिए पर्याप्त अच्छा हूं तो मैं अपनी स्थिति नहीं छोड़ूंगा। मैं सिर्फ कुछ सीरीज तक ही टिके रहना नहीं चाहता था और स्वार्थी कारणों से खेलना नहीं चाहता था।

मैक्सवेल का 126 का स्ट्राइक रेट वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे अधिक है, जो वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज आंद्रे रसेल से पीछे है। उन्होंने 77 विकेट के साथ चार शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, मैक्सवेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 आईसीसी पुरुष ङ्ग20 विश्व कप, बिग बैश लीग और अपनी अन्य वैश्विक प्रतिबद्धताओं के लिए अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने का फैसला किया है।

मैक्सवेल ने अपने शानदार एकदिवसीय करियर में कई बेहतरीन मैच खेले हैं, जिसमें दो एकदिवसीय विश्व कप जीत भी शामिल हैं।

आईपीएल-श्रेयस-रजत से जुड़ा अजब संयोग

सात महीने में दूसरी बार खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे दोनों कप्तान

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल की दो ऐसी टीमें हैं जिन्होंने अब तक एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीता है। दोनों टीमों को अपने पहले खिताब का इंतजार है। पंजाब की कमान श्रेयस अय्यर संभाल रहे हैं जबकि आरसीबी का नेतृत्व रजत पाटीदार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों कप्तानों का आमना-सामना सात महीने के भीतर एक बार फिर किसी टूर्नामेंट के फाइनल में हो रहा है।

आईपीएल 2025 का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मंगलवार को इस सत्र का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में भले ही कोई भी टीम जीते लेकिन आईपीएल प्रशंसकों को नई विजेता टीम मिलना तय है। खिताबी मैच से पहले हम आपको एक अजब संयोग के विषय में बताएंगे जिसके विषय में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में हुई थी श्रेयस-

पाटीदार की टक्कर- पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल की दो ऐसी टीमें हैं जिन्होंने अब तक एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीता है। दोनों टीमों को अपने पहले खिताब का इंतजार है। पंजाब की कमान श्रेयस अय्यर संभाल रहे हैं जबकि आरसीबी का नेतृत्व रजत पाटीदार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों कप्तानों का आमना-सामना सात महीने के भीतर एक बार फिर किसी टूर्नामेंट के फाइनल में हो रहा है। इससे पहले दोनों कप्तानों की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के फाइनल में भिड़ंत हुई थी।

तीन जून को मिलेगा नया चैंपियन- अब दोनों कप्तानों का आईपीएल 2025 के फाइनल में आमना-सामना होगा। आरसीबी ने क्वालिफायर-1 मुकाबले में पंजाब को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, पंजाब किंग्स ने एलिमिनेटर की विजेता मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पंजाब और आरसीबी ने अब तक कभी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं जीती है, ऐसे में यह तय है कि अब टूर्नामेंट को एक नया चैंपियन मिलेगा। 18वें सत्र का खिताबी मुकाबला तीन जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा।

श्रेयस ने मुंबई को दिलाई थी जीत

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 का खिताबी मुकाबला पिछले साल दिसंबर में खेला गया था। 15 दिसंबर को खेले गए मैच में श्रेयस अय्यर की अगुआई में मुंबई ने रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश को पांच विकेट से मात देकर खिताब अपने नाम किया था। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने मुंबई को दूसरी बार यह खिताब जिताया था। इससे पहले टीम ने अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में 2022/23 में खिताब अपने नाम किया था।

बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने टॉस जीतकर मध्य प्रदेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। रजत पाटीदार की अर्धशतकीय पारी की बदौलत टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने सूर्यकुमार यादव की 48 रनों की जबरदस्त पारी की बदौलत 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए और मैच अपने नाम किया था। एमपी के लिए त्रिपुरेश सिंह ने दो विकेट लिए जबकि शिवम शुक्ला, वेंकटेश अय्यर और कुमार कार्तिकेय ने एक-एक विकेट हासिल किए थे।

अजय-काजोल के बाद अब दीपिका के बचाव में उतरे सैफ अली खान

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक विवाद चर्चा में है। दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान 6 से 8 घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी। इसका कारण यह था कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थी तो और पूरा वक्त शूटिंग पर नहीं रहना चाहती थीं। इसके बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया, उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। हाल ही में काजोल और अजय देवगन ने दीपिका को इस मामले में सपोर्ट किया। ऐसा लगता है कि अब सैफ अली खान भी दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में उतर आए हैं।

सैफ ने क्यों दिया दीपिका पादुकोण का साथ

अरब मीडिया समिट में सैफ अली खान ने कहा, 'मुझे घर आकर बच्चों को सोते हुए देखना बिल्कुल पसंद नहीं है, यह मेरे लिए सक्सेस वाली बात नहीं है। लाइफ की सक्सेस तो यह बात कहने में है, नहीं, मुझे अब घर जाना है जिससे मैं अपने बच्चों के साथ आधा घंटा बिता सकूं।' सैफ ने यह भी बताया कि वह अपने परिवार और बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए छुट्टियों पर जाते हैं।' सैफ ने दीपिका पादुकोण का नाम तो नहीं लिया है लेकिन अपनी बात के जरिए वह उन्हें सपोर्ट करते दिख रहे हैं।

काजोल-अजय ने क्या कहा था

पिछले दिनों फिल्म 'मां' के ट्रेलर लॉन्च पर काजोल और अजय देवगन ने भी दीपिका पादुकोण के मामले में अपनी राय रखी। काजोल एक नई मां और पेशे से किसी एक्ट्रेस के आठ घंटे काम करने की मांग को सही मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात अच्छी लगी कि आप कम समय तक काम कर सकती हैं।' काजोल की बात को आगे बढ़ाते हुए अजय भी कहते हैं, 'बहुत से लोग हैं जो इस बात को समझ रहे हैं। मैं तो कहूंगा कि ज्यादातर सिनेमा से जुड़े लोगों को इस बात से कोई दिक्कत नहीं है। अगर कोई एक्ट्रेस मां बनी है तो उन्हें आठ घंटे की शिफ्ट में काम करना शुरू कर देना चाहिए। इंडस्ट्री से जुड़े लोग इस बात को जरूर समझेंगे।'

दीपिका पीछे हटने को राजी नहीं

इस पूरे विवाद के बीच दीपिका पादुकोण अपने फैसले से पीछे हटने को राजी नहीं है। वह फिल्में करने के साथ अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती हैं। दीपिका की बेटी दुआ अभी आठ महीने की है। दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर नई मां बनने के अपने एक्सपीरियंस भी साझा करती रहती हैं।

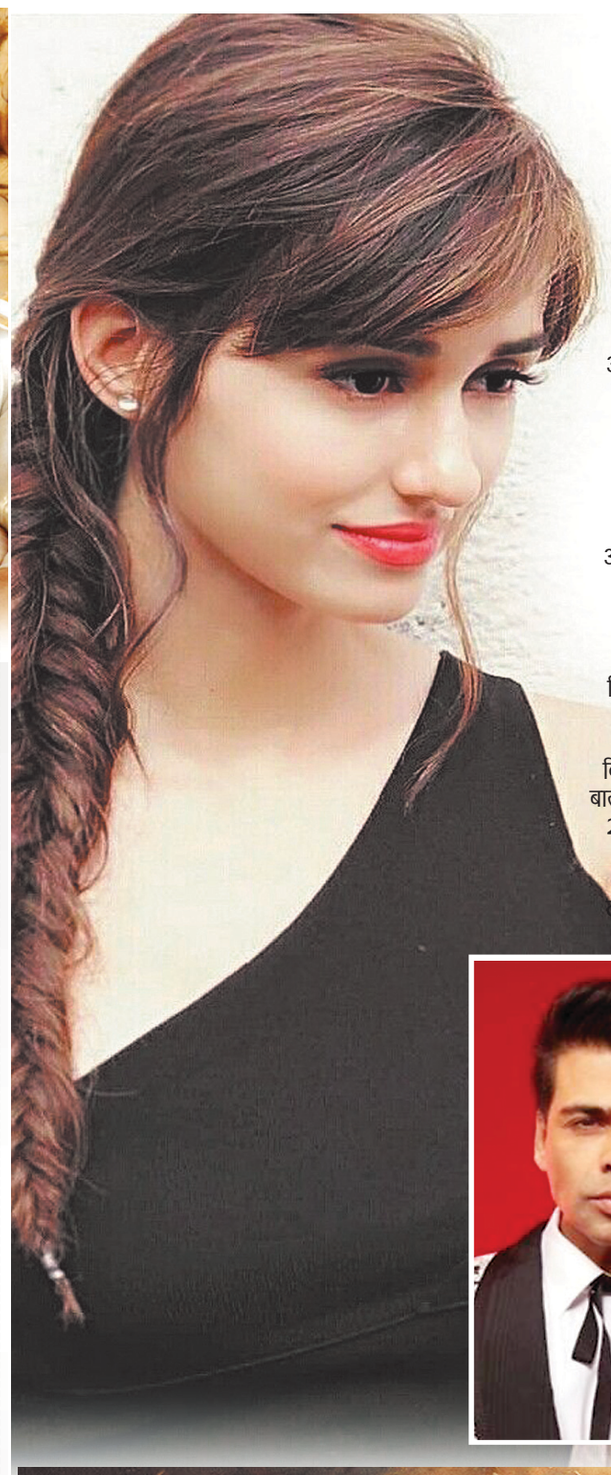

दिशा पाटनी की हॉलीवुड में एंट्री

अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में अपनी हॉट अदाओं का जलवा बिखेरनी को तैयार हैं। दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा सरीखी अभिनेत्रियों की राह पर चलते हुए अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड का रुख किया है। वो ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से हॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार हैं।

सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर है 'होलीगार्ड्स'

दिशा पाटनी सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' से हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी कर रहे हैं। खास बात ये है कि केविन इस फिल्म के जरिए लगभग 20 सालों के बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की अधिकांश शूटिंग मैक्सिको में हुई है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, गायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे कई इंटरनेशनल स्टार्स नजर आएंगे।

'स्टैटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' फ्रेंचाइजी का हिस्सा है फिल्म

'होलीगार्ड्स' 'स्टैटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' नाम की एक फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। यह एक्शन-थ्रिलर अपने पोस्ट प्रोडक्शन के समय से ही काफी चर्चा में है। जिससे ये जाहिर होता है कि फिल्म को लेकर दर्शकों में रोमांच है और वो फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के सेट से दिशा की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी।

'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी दिशा

वहीं बॉलीवुड में दिशा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वो जल्द ही एडवेंचर कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त समेत एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आने वाली है। फिल्म के इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है।

निर्माता करण जौहर की पहली वेब सीरीज जेट सेट गो हुई बंद

करण जौहर को लेकर खबर थी कि वह अपने करियर की पहली वेब सीरीज दर्शकों के बीच लेकर आ रहे हैं। करण की पहली वेब सीरीज का नाम जेट सेट गो रखा गया था। अब इसको लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... करण की पहली वेब सीरीज जेट सेट गो को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इसमें हिंदी सिनेमा की कई बेहतरीन एक्ट्रेसस अभिनय करने वाली थीं। हालांकि, करण ने जिन एक्ट्रेसस से संपर्क किया, उनमें से ज्यादा अपनी आगामी परियोजनाओं में बिजी थीं। अब करण ने अपनी सीरीज को टालने का फैसला लिया है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति स्टारर धड़क 2 को मिली नई रिलीज डेट

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 इन दिनों चर्चा में है। यह पहला मौका होगा, जब सिद्धांत और तृप्ति परदे पर साथ दिखाई देंगे। धड़क 2 के निर्देशन की कमान शाजिया इकबाल ने संभाली है, वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

धड़क 2 को 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तृप्ति और सिद्धांत एक-दूजे को गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। बता दें कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी नहीं मिली थी। लंबे समय से सेंसर में अटकी रही इस फिल्म को आखिर सीबीएफसी से सर्टिफिकेट मिल गया है। हालांकि, इसके करीब 16 सीन पर सेंसर की कैची चलने की खबर है। फिल्म की अवधि 2 घंटे 26 मिनट है। यह फिल्म साल 2018 में आई जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर की धड़क का सीक्वल है।

कास्टिंग काउच पर बोलीं सुरवीन चावला

एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने कास्टिंग काउच को लेकर हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शादीशुदा होने के बावजूद एक डायरेक्टर ने उनके साथ जबरदस्ती किस करने की कोशिश की थी। सुरवीन ने हॉटटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटना उनके साथ कई बार हो चुकी हैं। सुरवीन ने बताया, मुंबई के वीरा देसाई रोड पर एक डायरेक्टर के ऑफिस के केबिन में मीटिंग के बाद, जब मैं निकल रही थी तो वो मुझे गेट तक छोड़ने आया। यह मेरी शादी के बाद की बात है। सबसे अजीब बात ये थी कि उसी मीटिंग में हम इस (शादी) बारे में बात भी कर रहे थे। उसने मुझसे पूछा कि मेरी शादी कैसी चल रही है, मेरे पति क्या करते हैं। हम सिर्फ उसी के केबिन में थे, क्योंकि उसका ऑफिस बड़ा था। सुरवीन ने आगे बताया, जब मैं दरवाजे तक पहुंची और उसे बाय कहने लगी, तो वो मेरी तरफ झुककर मुझे किस करने की कोशिश करने लगा। मुझे उसे पीछे धकेलना पड़ा। मैं एकदम चौंक गई और उससे पूछा कि वो क्या कर रहा है। फिर मैं बिना कुछ कहे वहां से चली गई।

साउथ के एक डायरेक्टर ने भी की थी शर्मनाक हरकत

सुरवीन ने इसी इंटरव्यू में यह भी बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ। कई बार उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। एक बार तो एक साउथ फिल्म डायरेक्टर ने उनसे शारीरिक संबंध की मांग की थी। उसने ये बात सीधे नहीं कही, बल्कि किसी और के जरिए कहलवाई, क्योंकि वह हिंदी या इंग्लिश ठीक से नहीं बोल पाता था। सुरवीन ने यह भी कहा कि जब वह टीवी से फिल्मों में आने की कोशिश कर रही थीं, तब लोग उनके शरीर को लेकर सवाल पूछते थे। जैसे कमर का साइज, वजन, और ब्रेस्ट साइज।

राणा नायडू 2 में दिखाई देंगी सुरवीन

बता दें कि सुरवीन ने करियर की शुरुआत 2003 में टीवी शो कहीं तो होगा से की थी। वो कसौटी ज़िंदगी की, 24, हेट स्टोरी 2, अग्ली, पार्च्ड और छुरी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह जल्द ही राणा नायडू 2 में दिखाई देंगी, जो 13 जून को नेटफ्लिक्स पर आएगी। वहीं, उनकी वेब सीरिज क्रिमिनल जस्टिस 4 29 मई को रिलीज हुई।

युजवेंद्र चहल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश का क्रिप्टिक पोस्ट

आरजे महवश को अक्सर क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को सपोर्ट करते देखा जाता है। इस वजह से नेटिजंस उनके रिलेशनशिप को लेकर चर्चा करते रहते हैं। अब महवश ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है, जिसमें वह अपनी जिंदगी के उसूलों और नैतिकता के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। आइए जानते हैं आरजे महवश के पोस्ट के बारे में।

किसी के साथ गलत नहीं किया

आरजे महवश ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई है। इस स्टोरी में उन्होंने अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वह लाल रंग की टॉप पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह तस्वीर आईपीएल में पंजाब किंग्स के किसी मैच के दौरान की लग रही है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, सबसे अहम बात ये है कि आपने किसी के साथ कुछ भी बुरा नहीं किया है। आपने जो भी किया वह साफ इरादे से किया और याद रखा कि ऊपर जाकर ईश्वर से मिलना है। आप अपने नैतिक मूल्यों के अनुसार जिएं, बाकी जो लोग कहते है उन्हें नजरअंदाज करें, वो बस शोर हैं।

आखिर क्यों चहल के साथ जोड़ जाता है नाम?

आरजे महवश को हमेशा क्रिकेट मैदान में और बाहर युजवेंद्र चहल का सपोर्ट करते देखा जाता है और उनके साथ स्पॉट किया जाता है। इस कारण नेटिजंस को उनके रिश्तों को लेकर कुछ आशंका होती है। साथ ही आपको बताते चलें कि कहा जा रहा कि महवश आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स टीम का खूब समर्थन कर रही हैं, क्योंकि इसमें चहल एक खिलाड़ी के रूप में हैं। इसके अलावा महवश पंजाब टीम के सार मैच देखने मैदान में पहुंचती हैं। चहल और धनश्री के तलाक के बाद से ही दोनों के बीच रिलेशनशिप की अफवाहों ने जोर पकड़ा है। वहीं हाल ही में आरजे महवश को चहल के होटल के बाहर भी स्पॉट किया गया था।

मां के जरिए तीन साल बाद थिएटर्स में लौटेंगी काजोल

काजोल से पहले भी कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने कुछ समय के ब्रेक के बाद फिल्मों में वापसी की है। इस लिस्ट में काजोल से लेकर रानी मुखर्जी के अलावा और भी कई अभिनेत्रियों का नाम शुमार है। काजोल आखिरी बार फिल्म दो पत्ती में नजर आई थीं, जो डाइरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 2024 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से पहले 2022 में काजोल की फिल्म सलाम वेंकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब वह फिल्म मां से थिएटर्स में वापसी करेंगी।

काजोल

काजोल अपनी नई फिल्म मां के जरिए तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें काजोल एक दमदार किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के कई पोस्टर अभी तक जारी किए जा चुके हैं, जिसमें काजोल एक खतरनाक शैतान से लड़ते हुए दिख रही हैं। पोस्टर के अनुसार, फिल्म की कहानी में एक भक्षक और रक्षक के बीच टक्कर होगी, जिसमें मां का किरदार अहम है। ट्रेलर 30 मई 2025 को रिलीज होने की उम्मीद है। काजोल ने इस किरदार को अपने करियर का सबसे मजबूत किरदार बताया है। इस फिल्म से पहले काजोल की फिल्म सलाम वेंकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी फिल्म मिसेज चैटर्जी वर्सेज नॉर्वे के बाद अब मर्दानी 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे एक बार फिर से शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में दिखेंगी, जो एक निडर पुलिसवाली है। यशराज बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला कर रहे हैं। मेकर्स ने हाल ही में रानी का फर्स्ट लुक और रिलीज की तारीख साझा की है। यह फिल्म एक्शन और ड्रामा से भरपूर होगी। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

रवीना टंडन

रवीना टंडन ने केजीएफ 2 में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा। इसके बाद वे घुड़चढ़ी में नजर आईं। अब वह जल्द ही वेलकम टू द जंगल के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार के अलावा कई बड़े सितारे नजर आएंगे। रवीना की कॉमिक टाइमिंग और उनका बिंदास अंदाज इस फिल्म में दर्शकों को खूब हंसाने वाला है।

माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित ने कलंक के बाद लंबे समय तक बड़े पर्दे से दूरी बनाए रखी थी। इस फिल्म के बाद माधुरी फिल्म भूल भुलैया 3 से नजर आईं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। माधुरी ने इस फिल्म में मंजूलिका का किरदार निभाया है। फिल्म में माधुरी और विद्या का सीक्वेंस डांस भी दर्शकों को बेहद पसंद आया।

सोनाली बेंद्रे

सोनाली बेंद्रे ने वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा के बाद लंबे समय तक फिल्मों से ब्रेक लिया था। इसके बाद सोनाली ने फिल्म बी हैप्पी से वापसी की। उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस दर्शकों को बेहद पसंद आई। इस फिल्म में सोनाली का एक छोटा कैमियो था। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, इनायत वर्मा और नोरा फतेही ने मुख्य भूमिका निभाई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।